mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-16 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
16 जनवरी 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पंत ने दिल्ली के...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

गिरफ्तारी के बाद 10 घंटे तक राष्ट्रपति यून सुक येओल से हुई पूछताछ

सियोल (एजेंसी)। महाभियोग का सामना कर रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल से बुधवार को जांच एजेंसियों ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। देश की राजधानी सियोल के निकट एक हिरासत केंद्र में ले जाया गया। इससे पहले, उनसे पिछले महीने मार्शल लॉ लगाने के

संबंध में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों ने पूछताछ की। यून को उनके राष्ट्रपति निवास पर हिरासत में लेने के बाद देश की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की। यून ने भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी के मुख्यालय में ले जाए जाने से पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ''इस देश में कानून का शासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है''। वह राजधानी सियोल में हन्नाम-डोंग आवास में कई सप्ताह तक छिपे रहे थे और उन्होंने सत्ता से उन्हें हटाने के प्रयासों के खिलाफ ''अंत तक लड़ने'' का संकल्प व्यक्त किया था। राष्ट्रपति ने पिछले वर्ष तीन दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा की थी। राष्ट्रपति के इस कदम ने पूरे देश को हैरत में डाल दिया था। हालांकि मार्शल लॉ कुछ ही घंटों से समाप्त हो गया था लेकिन इसके बाद देश में राष्ट्रपति के खिलाफ असंतोष की भावना फैल गई थी और विपक्षी दल उनके खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई करने की मांग करने लगे थे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया एक और बड़े मुकदमे में बरी हो गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। साथ ही

उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दी गई 10 वर्ष की जेल की सजा को पलट दिया। 'ढाका ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ खालिदा (79) की अपील की समीक्षा के बाद प्रधान न्यायाधीश डॉ.सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। खबर में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय ने जिया, पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और अन्य सभी संदिग्धों को जिया अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उनकी अपील पर बरी कर दिया। अपीलीय प्रभाग ने कहा कि यह मामला बदले की भावना से प्रेरित था। जिया को आठ फरवरी, 2018 को ढाका की विशेष न्यायाधीश अदालत-5 ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी धन के कथित गबन के लिए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इसी फैसले में खालिदा जिया के बेटे तारिक और पूर्व मुख्य सचिव कमालुद्दीन सिद्दीकी सहित पांच अन्य आरोपियों को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। प्रत्येक आरोपी पर 2.1 करोड़ टका का जुर्माना भी लगाया गया। आरोपियों में से तारिक, सिद्दीकी और जियाउर्रहमान का रिश्तेदार मोमिनुर रहमान अब भी फरार हैं। जिया ने अधीनस्थ अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी।

जम्मू से अब सीधे कश्मीर तक जाएगी ट्रेन, मिला अप्रूवल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू से श्रीनगर तक रेल लाइन को मिला सीआरएस अप्रूवल मिल गया है। इससे ट्रेन अब सीधे तौर पर कश्मीर तक जा सकेगी। जानकारी के अनुसार, जम्मू से श्रीनगर तक रेल मार्ग यानी यूबीआरएस को सीआरएस अप्रूवल मिला है। कमिश्नर ऑफ़ रेलवे सेफ्टी ने सर्टिफिकेट दिया है। जानकारी के अनुसार, श्री माता वैष्णो देवी धाम कटरा से रियासी के बीच 85 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से ट्रेन चलने को इजाजत मिली है। स्टेशन के लूप लाइन पर 15 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से फिटनेस मिला है। वंदे भारत और डेमू और मेमू ट्रेनों को जम्मू से श्रीनगर तक चलने की तैयारी की जा रही है। कश्मीर घाटी के लिए वंदे भारत ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा (एसवीडीके) और श्रीनगर के बीच चलेगी। कटरा-श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बनिहाल और काजीगुंड सहित रास्ते में सभी प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। बता दें कि भारतीय रेलवे (आईआर) जम्मू और कश्मीर के लिए दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू करने की संभावना है। इसके साथ ही राज्य को आवंटित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों की संख्या बढ़कर 4 हो जाएगी। इससे पहले दो अत्याधुनिक ट्रेनें शुरू की थीं। ये हैं- ट्रेन नंबर 22439/22440 नई दिल्ली-एसएमवीडी कटरा, और ट्रेन नंबर 22478/22477 एसएमवीडी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस। जम्मू और श्रीनगर के बीच बहुप्रतीक्षित वंदे भारत ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी। चालू वित्तीय वर्ष में ट्रेनें शुरू की जाएंगी। इन नई सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों का रखरखाव और संचालन उत्तर रेलवे (एनआर) जम्मू डिवीजन द्वारा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में कार्यक्रम में हुये शामिल

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े राधा मदनमोहन जी मंदिर का उद्घाटन

खारघर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन के प्रयासों से निर्मित श्री श्री राधा-मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया है। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान और भक्ति की महान धरती पर इस्कॉन के प्रयासों से श्री श्री राधा-मोहन मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मंदिर प्रांगण में इस्कॉन के 5 हज़ार से ज़्यादा साधु संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह इस्कॉन के संतों का अपार स्नेह और अपनापन है कि मुझे ऐसे आलौकिक अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभाने का पुण्य प्राप्त हुआ। राधा मोहन मंदिर की रूपरेखा, इसका स्वरूप उसमें अध्यात्म और विज्ञान की संपूर्ण परंपरा के दर्शन हो रहे हैं। नई पीढ़ी की रुचि और आकर्षण के अनुरूप यहां महाभारत, रामायण, उसको समेटे हुए, उसपर आधारित म्यूजिम भी बनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा।

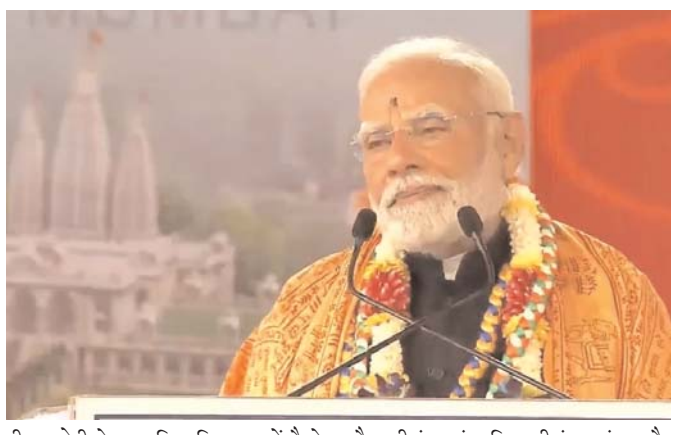

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भर में फैले इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की डोर से बंधे हैं। उन सबको एक-दूसरे से कनेक्ट रखने वाला एक और सूत्र है जो 24 घंटे हर भक्त को दिशा दिखाता रहता है। ये श्री स्वामी प्रभुपाद के विचारों का सूत्र है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत असाधारण और अद्भुत भूमि है। यह केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत जीवंत धरती है, जीवंत संस्कृति, जीवंत परंपरा है। उन्होंने कहा कि इस संस्कृति की चेतना यहां का आध्यात्म है। भारत को समझने के लिए पहले अध्यात्म को आत्मसात करना होता है। जो दुनिया को भौतिक दृष्टि से देखते हैं, उन्हें भारत भी अलग अलग भाषा और प्रांतों का समूह नजर आता है। जब सांस्कृतिक चेतना से अपने को जोड़ते हैं तो आपको भारत के विराट रूप के दर्शन होते हैं।

बिहार के मंत्री को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को दावा किया है कि उन्हें एक शख्स जिसने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बताया, जान से मारने की धमकी दी है। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने इस मामले में मंगलवार को पुलिस के पास शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने धमकी भरे फोन के बारे में पूरी जानकारी दी है। उन्होंने बताया- ÷मंगलवार को मेरे मोबाइल फोन पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई बताया। उसने 30 लाख रुपये मांगे।÷ संतोष कुमार सिंह ने कहा कि फोन करने वाले ने उन्हें पैसे भेजने का तरीका भी बताया है। मंत्री संतोष कुमार सिंह ने बताया कि फोन करने वाले ने उन्हें एक बार और फोन किया और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की याद दिलाई।

अंतिम संस्कार की हो गई तैयारी, बंट गए थे शोक संदेश, अचानक जिंदा हो गया शख्स

मुर्दा समझ अंतिम संस्कार हो गई थी तैयारी

कन्नूर (एजेंसी)। केरल के कन्नूर जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जिले में मर चुके एक शख्स को लोग शवगृह में लेकर जा रहे थे उससे कुछ ही मिनट पहले वह जिंदा हो गया। इस चमत्कार को देखकर वहां मौजूद लोग हैरान हो गए। मृतक के परिजनों ने उसे मृत मान लिया था और मौत के बाद के आगे की प्रक्रिया के लिए उसे अस्पताल के शवगृह में ले जाया जा रहा था। परिवार ने अगले दिन उसके अंतिम संस्कार की पूरी तैयारी भी कर ली और निधन का शोक संदेश भी रिश्तेदारों को भेज दिया। रिश्तेदार शोक मनाने भी आ गए, लेकिन मुर्दा दोबारा जीवित हो गया, जिससे सभी लोग चौंक गए। कुथुपरम्बा के पचपोइका निवासी 67 वर्षीय पवित्रन के परिवार ने बताया कि, पवित्रन कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे और वह अस्पताल में वेंटिलेटर पर थे, लेकिन इलाज के अधिक खर्च के कारण परिवार ने सोमवार को उन्हें वापस घर लाने का निर्णय लिया। रिश्तेदारों ने बताया कि डॉक्टरों ने बताया कि पवित्रन बिना वेंटिलेटर के जीवित नहीं रह पाएंगे और अगर उसे हटा दिया गया तो 10 मिनट के भीतर उनकी मौत हो जाएगी। डॉक्टरों ने ये भी कहा था कि आईसीयू में उन्होंने अपनी आंखें नहीं खोली थीं और उनका ब्लड प्रेशर भी बहुत कम हो गया था। परिवार ने बताया कि

डॉक्टरों ने कहा था कि घर ले जाने के क्रम में बिना वेंटिलेटर के साधारण एम्बुलेंस में पांच घंटे से अधिक की यात्रा में उनके बचने की संभावना नहीं है। रिश्तेदारों ने बताया कि यात्रा के दौरान पवित्रन का शरीर गतिहीन रहा और उसमें जीवन के कोई लक्षण नहीं दिखे। पवित्रन की पत्नी और बहन एम्बुलेंस में उसके साथ थीं, जबकि अन्य रिश्तेदार कार में उनके पीछे-पीछे आ रहे थे। रात में घर पहुंचने पर परिजनों ने उसके ÷शव÷ को एकेजी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया और मंगलवार के लिए अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। अस्पताल के अटेंडेंट जयन और इलेक्ट्रीशियन अनूप ने बताया कि हमने देखा कि उस मुर्दा कहे जाने वाले व्यक्ति की उंगलियां हिल रही हैं। हमने तुरंत रिश्तेदारों और चिकित्सकों को सूचित किया। जब मरीज का रक्तचाप जांचा गया तो वह सामान्य पाया गया।

सुप्रीम कोर्ट से मायावती को बड़ी राहत

सरकारी खजाने से करोडों रुपये खर्च कर अपनी और हाथी की मूर्तियां बनाने का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान सरकारी खजाने से करोडों रुपये खर्च कर अपनी और अपनी पार्टी के सिंबल हाथी की मूर्तियां बनाने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को निपटारा कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मायावती के खिलाफ दाखिल कई गई याचिका पर सुनवाई बंद कर दी है।

जानकारी के अनुसार, कोर्ट ने 15 साल पहले दाखिल याचिका को पुराना मामला मानते हुए सुनवाई बंद की। सुप्रीम कोर्ट के वकील रविकांत ने 2009 मे याचिका दाखिल कर मांग की थी कि जनता के जितने पैसे का दुरूपयोग हुआ है, वो बहुजन समाज पार्टी से वसूला जाए और जनता के पैसे से पार्टी का सिंबल हाथी को पार्कों में बनाया गया है। इसलिए बसपा का चुनाव चिन्ह जब्त करने का सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग को आदेश दे। हालांकि कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग नहीं मानी।

बता दें कि यह फैसला उस दिन आया है जब मायावती अपना 69वां जन्मदिन मना रही हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि मायावती को अपने जन्मदिन पर दोगुनी खुशी मिली। कोर्ट के फैसले से बसपा कार्यकर्ता भी काफी खुश नजर आ रहे हैं। मायावती ने साल 2009 में करदाताओं के पैसे से लखनऊ और नोएडा के पार्क में अपनी, कांशी राम और हाथियों की मूर्तियां बनवाया था। 2007 से 2012 के बीच मायावती यूपी की मुख्यमंत्री थीं। याचिका में दावा किया गया कि 52.20 करोड़ रुपये की लागत से साठ हाथी की मूर्तियां स्थापित करना सरकारी धन की बर्बादी है और चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के विपरीत है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने राहुल गांधी पर किया पलटवार

बोले- एक भारतीय कैसे कह सकता है कि उसकी लड़ाई भारत से है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके दिए बयानों पर बीजेपी ने एक बार फिर घेर लिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि एक भारतीय कैसे कह सकता है कि उसकी लड़ाई भारत से है? राहुल गांधी ने हाल के चुनाव में पारदर्शिता का जिक्र करते हुए यह बयान दिया था।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि भारत की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि ÷ऐसा मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। अगर आप मानते हैं कि हम भाजपा या आरएसएस नामक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं, तो आप समझ नहीं पाए हैं कि क्या हो रहा है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया

है। अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से ही लड़ रहे हैं।÷ राहुल गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुएचुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए और कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि भारत की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है। उन्होंने दावा किया, ''मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआ है। हम चुनाव आयोग के काम करने के तरीके से असहज हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच अचानक करीब एक करोड़ नए मतदाताओं का सामने आना समस्या की बात है।'' हरियाणा के चुनाव पर भी उठाए सवाल

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उसने यह जानकारी देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सवाल किया, ''चुनाव आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने से क्यों इनकार करेगा? हमें सूची न देकर किस उद्देश्य की पूर्ति होती है और वे इसे क्यों रोके हुए हैं?'' राहुल गांधी के अनुसार, पारदर्शिता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य है और यह बताना उनकी पवित्र जिम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआ है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह ऐसी बात है जिसे हर कांग्रेसी और हर विपक्षी सदस्य को ध्यान में रखना चाहिए।

हेलमेट के बिना पेट्रोल नहीं दिया तो बिजली कर्मचारी ने पेट्रोल पंप की लाइन काटी

हापुड़ (एजेंसी)। यूपी के हापुड़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बिजली कर्मचारी ने एक पेट्रोल पंप की बिजली इसलिए गुल कर दी क्योंकि जब वह पेट्रोल भरवाने पेट्रोल पंप पर गया तो कर्मचारी ने हेलमेट के बिना उसे पेट्रोल नहीं दिया। यूपी के हापुड़ से बिजली कर्मचारी की मनमानी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हापुड़ के पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के परतापुर रोड पर स्थित भारत पेट्रोलियम के एक पेट्रोल पंप पर बिजली कर्मचारी और पेट्रोल पंप कर्मियों में विवाद हो गया। विवाद की वजह जिलाधिकारी का वह आदेश बना, जिसके चलते बिना हेलमेट के किसी भी दो पहिया वाहन को पेट्रोल न देने के निर्देश जारी हुए हैं। मामला 13 जनवरी का है, जब बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर पहुंचे बिजली कर्मी को पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने पेट्रोल देने से मना कर दिया। दोनों में कुछ देर विवाद हुआ लेकिन पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बिना हेलमेट के पेट्रोल देने से मना कर दिया। इसके बाद बिजली कर्मचारी ने नाराज होकर पेट्रोल पंप के पास स्थित एक खंभे पर चढ़कर पेट्रोल पंप की ही लाइन काट दी। पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में स्थित इस पेट्रोल पंप की बिजली काटते ही सारा कामकाज ठप हो गया और इसके बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने अपने मालिक को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद उच्च अधिकारियों द्वारा हस्तक्षेप करने के बाद बिजली कर्मचारी ने अपनी गलती मानते हुए लाइन को वापस जोड़ दिया।

महाकुंभ में भूले भटकों को रास्ता दिखाते, बिछड़ों को मिलाते बिजली के खंभे

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ मेले में भूले भटकों को मिलाने के लिए भूले-भटके कैंप लगाए जाते रहे हैं और इस बार तो महाकुंभ मेले में डिजिटल भूले-भटके कैंप भी लगे हैं। लेकिन,

● खंभों में क्यूआर कोड स्कैन कर भौगोलिक स्थिति जान सकता है

बिछड़े लोगों को मिलाने और भटके हुए लोगों को रास्ता दिखाने में बिजली के खंभे भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डिजिटल महाकुंभ के तहत पूरे मेला क्षेत्र में 50,000 बिजली के खंभों में क्यूआर कोड लगाए गए हैं जिन्हें कोई भी व्यक्ति मोबाइल से स्कैन करके अपनी भौगोलिक स्थिति जान सकता है। इसका परीक्षण करने के लिये जब इस क्यूआर कोड का भौतिक परीक्षण करने के लिए एक खंभे पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन किया तो एक फॉर्म सामने आ गया जिसमें नाम, मोबाइल नंबर और खंभे पर लिखी संख्या 28126 भरकर उसे सबमिट (जमा) कर दिया। इसके एक ही मिनट के भीतर बिजली विभाग से फोन आ गया। फोन पर बिजली विभाग के कंट्रोल रूम से चंद्रप्रकाश नाम के व्यक्ति ने पूछा, ÷मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूं।÷ इधर से जवाब दिया गया, ÷मैं रास्ता भटक गया हूं और मुझे मेला प्रशासन कार्यालय जाना है, कैसे जाऊं।÷ विभाग के व्यक्ति ने बताया, ÷आप इस समय संगम लोअर मार्ग पर सेक्टर-16 में हैं। मेला कार्यालय जाने के लिए आपको त्रिवेणी मार्ग पर आना होगा जहां से पांटून का पुल पार करके आप त्रिवेणी ढाल पर आ जाएं और वहां से सीधे मेला कार्यालय पहुंच जाएं।÷ बिजली विभाग के कंट्रोल रूम में बतौर सुपरवाइजर कार्यरत विकास चौहान ने बताया कि पोल नंबर, क्यूआर कोड और जी कोड के माध्यम से लोग अन्य समस्याओं जैसे कहीं पानी नहीं आने की समस्या, सड़क पर बिछी शीट उखड़ने की समस्या का भी निराकरण कर रहे हैं। चौहान ने बताया कि मंगलवार को मकर संक्रांति स्नान पर्व पर चंडीगढ़ से आए मोहित के पिता उनसे बिछड़ गए। बेटे ने पिता से किसी व्यक्ति के माध्यम से पोल संख्या पूछ ली और विभाग से पोल संख्या साझा कर भौगोलिक स्थिति पता करके अपने पिता को ढूंढ लिया। उन्होंने बताया कि विभाग ने ये डेटा डायल 112 और डायल 1920 के साथ भी साझा किए हैं और अन्य समस्याओं के बारे में आई शिकायत संबंधित विभाग के पास भेज दी जाती है और विभाग पोल संख्या की मदद से मौके पर पहुंचकर समस्या का निराकरण कर रहे हैं। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता (कुंभ) मनोज गुप्ता ने बताया कि जीआईएस की मदद से इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी व्यक्ति अपनी या दूसरों की भौगोलिक स्थिति का पता लगा सकता है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्रथम अमृत स्नान पर्व पर 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

परिवहन वाहनों की बिक्री पर मिलेगी मोटरयान कर पर 50 प्रतिशत की छूट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा ऐसे गैर परिवहन एवं हल्के परिवहन वाहनों, जिनका जीवनकाल मोटरयान कर लगता है और जिनको वर्ष 2024-25 की कालावधि के दौरान उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला और ग्वालियर व्यापार मेला में विक्रय किया जाता है, उन पर देय जीवनकाल मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। यह छूट निर्धारित शर्तों के साथ दी गई है। ऐसे गैर परिवहन वाहनों (मोटर साइकिल, मोटर कार, निजी उपयोग हेतु ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन वाहनों को छूट केवल विक्रय किये गये वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय उज्जैन/ग्वालियर में स्थायी पंजीयन कराने पर ही दी जायेगी। उज्जैन/ग्वालियर के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायियों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय उज्जैन/ग्वालियर से व्यवसाय प्रमाण पत्र प्राप्त करने तथा इन स्थानों पर मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के बाद ही वाहन विक्रय की अनुमति दी जायेगी।

जेपी चिकित्सालय में मिलेगी एमआरआई सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल के जेपी चिकित्सालय में एमआरआई मशीन का शुभारंभ किया। जयप्रकाश चिकित्सालय में 1.5 टेस्ला एमआरआई जाँच की यह सुविधा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत कृस्ना डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड के माध्यम से उपलब्ध कराई जायेगी। यहाँ मरीजों को सेन्ट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) दरों से 30 प्रतिशत से भी कम दरों पर जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी।

मंत्री श्री परमार ने वरिष्ठ पत्रकार श्री अष्ठाना के अवसान पर गहन शोक संवेदना व्यक्त की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के पूर्व संघचालक, देवपुत्र समाचार पत्रिका के पितृपुरूष संस्थापक और संपादक, विद्याभारती मध्य क्षेत्र के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री कृष्ण कुमार अष्ठाना के अवसान पर गहन शोक संवेदना व्यक्त की है। मंत्री श्री परमार ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेय कृष्ण कुमार जी ने 30 वर्षों से बाल साहित्य की अग्रणी बाल पत्रिका देवपुत्र के माध्यम से जन सामान्य तक हिंदी भाषा की पहुँच बनाने में अपनी महती भूमिका निभाई। राष्ट्रवादी विचारधारा की साहित्यक धरोहर को समृद्ध बनाने में उनका योगदान हमें सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। उनका देवलोकगमन साहित्यिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। श्री परमार ने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्य-आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवार को यह गहन दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने देवपुत्र पत्रिका के संपादक कृष्ण कुमार अष्ठाना के निधन पर शोक व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के पूर्व संघचालक, देवपुत्र समाचार पत्रिका के संस्थापक और संपादक, विद्याभारती मध्य क्षेत्र के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री कृष्ण कुमार अष्ठाना के अवसान पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेय अष्ठाना जी ने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रवादी विचारधारा की साहित्यक धरोहर को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सप्रे संग्रहालय के अलंकरण समारोह में दर्जन भर से ज्यादा विभूतियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने कहा है कि माधवराव सप्रे जी जैसे ज्ञानी महापुरुष सदियों में होते हैं। उन्होंने अपने जीवन काल में अनेक विद्वान गढ़े हैं। यह सभी विद्वान भारतीय ज्ञान परंपरा का ही हिस्सा हैं। इस तरह कह सकते हैं कि सप्रे जी की स्मृति में स्थापित यह संग्रहालय उसी ज्ञान परंपरा को सहेजे हुए हैं। मंत्री श्री परमार मंगलवार को सप्रे संग्रहालय के अलंकरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य डॉ. एसके जैन ने की। समारोह में पत्रकारिता, मीडिया शिक्षा और जनसंपर्क क्षेत्र की करीब दर्जन भर से ज्यादा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि संग्रहालय में आने का यह पहला अवसर है, अब तक इसके बारे में सुना ही था। यहां आकर अहसास हुआ कि यहां संजोई गई सामग्री शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जो विश्वविद्यालय यहां से संबद्ध नहीं है उन्हें भी इस संस्थान से जोड़ा जायेगा, ताकि विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि सप्रे जी के व्यक्तित्व से नई पीढ़ी को परिचित करवाने के लिए उन्हें पाठ्यक्रम में शामिल कराने के प्रयास होंगे।उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु रहा है, लेकिन सदियों पहले षडयंत्रपूर्वक भारतीय ज्ञान परंपरा को खारिज किया गया। दुःख की बात है कि आजादी के बाद भी हमारी इस परंपरा के गौरव को पुर्नस्थापित करने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। लेकिन नई शिक्षा नीति में इस तरह के प्रयास किये जा रहे हैं कि आने वाली पीढ़ी यह जान सके कि दुनिया में जिस ज्ञान की खोज के दावे किये जाते हैं, वह भारत सदियों पहले ही जान चुका था।

कुलगुरु आचार्य एसके जैन ने कहा कि भले ही आज डिजिटल का

युग है, लेकिन इस माध्यम की भी एक सीमा है। लेकिन पुस्तकों में जो ज्ञान संपदा छुपी हुई है वह अनंत है। सप्रे संग्रहालय में जो दुर्लभ सामग्री है वह इसी संपदा का अंग है। उन्होंने कहा कि भारत में शोध की असीम संभावना है। सप्रे संग्रहालय जैसे संस्थान इस संभावना की प्रतिपूर्ति में महती भूमिका निभाते हैं।

मंत्री परमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मप्र आगे रहा है। देश में ऐसे प्रयास हो रहें कि वर्ष 2030 तक यह पद्धति तैयार हो जाये। इसके दस साल बाद अर्थात 2040 तक यह संपूर्ण रूप से आकार ग्रहण कर लेगी तथा 2047 तक पूरे देश में लागू हो जायेगी। इसके बाद भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में बढ़ चलेगा।

सम्मानित विभूतियों की ओर से प्रति उत्तर में 'हुक्मचंद नारद सम्मान' से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार अतुल तारे ने कहा कि इस सम्मान ने हममें दायित्व बोध जगाया है। हम जिन विभूतियों के नाम से यहां सम्मानित हुये हैं उनकी गरिमा बनी रहे यह हमारे प्रयास होंगे। यह सम्मान हमारे लिए प्रेरक का कार्य करेगा। उन्होंने सप्रे संग्रहालय को एक व्यक्ति की संकल्पशक्ति का परिणाम बतलाया। आरंभ में संग्रहालय के संस्थापक निदेशक विजयदत्त श्रीधर ने स्वागत् वक्तव्य देते हुए कहा कि सप्रे संग्रहालय के पास पांच करोड़ पृष्ठों से ज्यादा की सामग्री है तथा करीब सवा लाख किताबें हैं। इसके बल पर पूरे विश्व में अपनी पहचान कायम की है।

आज होगा मार्स-इन-अपोजीशन, टेलीस्कोप के बिना दिखेगा लाल ग्रह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह मंगल गुरुवार (16 जनवरी) को बिना दूरबीन के नजर आएगा। नेशनल अवॉर्ड प्राप्त साइंस एक्सपर्ट सारिका घारू ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसे %मार्स इन अपोजीशन% कहते हैं। यह दुर्लभ घटना लगभग 26 महीनों के अंतराल पर होती है। इस दौरान मंगल ग्रह पूर्वी आकाश में मध?यरात्रि में उदय होगा और शुक्रवार सुबह पश्चिम में अस्त होगा। इस दौरान मंगल ग्रह के आसपास चमकदार लालिमा नजर आएगी।

घारू के मुताबिक मार्स इन अपोजीशन में पृथ्वी के एक तरफ मंगल और दूसरी तरफ सूर्य होगा। इसी वजह से सूर्य की रोशनी पड़ने के चलते मंगल ग्रह चमकेगा। इस दौरान पृथ्वी, मंगल और सूर्य एक

सीध में होंगे।

इससे पहले 2003 का मार्स इन अपोजीशन बहुत खास था, जिसमें मंगल ग्रह 60,000 साल बाद पृथ्वी के सबसे पास आया था। यह अब इतना नजदीक 2287 में आएगा। घारू के मुताबिक 16 जनवरी के बाद यह घटना 19 फरवरी 2027 को होगी। इससे पहले यह 8 दिसंबर 2022 को भी हुई थी।

ऊर्जा के बिना विकास संभव नहीं-मंत्री शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि सोलराइजेशन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य केन्द्र में नियमित बिजली पर निर्भरता को कम करना और बिजली बिल को घटाना है। फ्यूजन फाइनेंस द्वारा 20 किलोवाट के सोलर पैनल स्थापित किया गया है, इससे केवल ऊर्जा खर्च कम होने के साथ स्वास्थ्य केंद्र को एक स्थिर और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोत प्रदान करना भी है। मंत्री श्री शुक्ला मंगलवार को भिंड में फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहगांव में सफलतापूर्वक लगाए गए 20 किलोवॉट सोलराइजेशन प्रोजेक्ट के

शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहगांव में लगाए गए 20 किलोवॉट सोलराइजेशन प्रोजेक्ट का उद्देश्य वर्तमान में खर्च हो रही विद्युत ऊर्जा को हरित और सस्ती ऊर्जा से परिवर्तित करना है। ऊर्जा के बिना विकास संभव नहीं है और यह वर्तमान में विकास के लिए सबसे बड़ी जरूरत है। इसलिए, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हमने 52 हजार पंपों के टैंडर निकाले हैं, उनमें पांच साल की गारंटी के साथ सोलर मोटर और 25 साल की गारंटी के साथ पैनल रहेगा। साथ ही उसमें केवल बोर किसान का होगा। इसके लिये 30 प्रतिशत सब्सिडी भारत सरकार और 30 प्रतिशत सब्सिडी राज्य सरकार दे रही है। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणी ऊर्जा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि बिजली के भार को अक्षय ऊर्जा के माध्यम से ही कम किया जा सकता है। इसलिए आने वाले दिनों में सिस्टम को और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

सतना बनेगा मध्यप्रदेश का सातवां एयरपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश को 1 साल के अंदर एक और एयरपोर्ट मिलेगा। 3 महीने पहले रीवा एयरपोर्ट की शुरुआत के बाद अब सतना एयरपोर्ट भी बनकर तैयार है। एयरपोर्ट 30 करोड़ रुपए की लागत से बना है। एयरपोर्ट से उड़ान संचालन की शुरुआत पीएम श्री वायु सेवा से होगी। एयरपोर्ट का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू करेंगे। उनसे समय मांगा गया है। तारीख मिलते ही प्रदेश के सातवें एयरपोर्ट सतना से भी फ्लाइट टेक ऑफ और लैंड हो सकेगी। उम्मीद है कि फरवरी से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी। यहां से 19 सीटर कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भर सकेगी। सतना एयरपोर्ट करीब एक साल में बनकर तैयार हुआ

है। पिछले महीने डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद डीजीसीए ने लाइसेंस भी दे दिया। अब संचालन शुरू होगा। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। नई पहल से टूरिस्ट सतना और इसके आसपास के प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके लिए यहां सबसे पहले पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत होगी। यहां से सप्ताह में दो दिन के लिए वायु सेवा का शेड्यूल जारी कर दिया गया था। एयरपोर्ट का उद्घाटन नहीं होने की वजह से बुधवार एवं रविवार को सतना की जगह रीवा-सिंगरौली से वायु सेवा संचालित की जा रही है।

सेना दिवस पर विद्यार्थियों ने लिखा सैनिकों को पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय डाक विभाग ने सेना दिवस के अवसर पर एक अनूठी पहल की है। देश के वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए राष्ट्रव्यापी पत्र लेखन अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान की शुरुआत टी.टी. नगर भोपाल से हुई है, जहां सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में स्कूल के कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं के विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए दिल से निकले विचार पत्रों के माध्यम से व्यक्त किए। यह अभियान सेना दिवस 15 जनवरी 2025 को समर्पित है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को देश की सुरक्षा में सैनिकों के योगदान से अवगत कराना और उनके प्रति सम्मान की भावना जगाना है।

डाक विभाग की इस पहल से देशभर के स्कूली बच्चों को सैनिकों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। यह अभियान न केवल छात्रों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि उन्हें पत्र लेखन की कला से भी जोड़ेगा।

हमीदिया अस्पताल में फिर बदला कैथलैब शिफ्टिंग का प्लान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हमीदिया अस्पताल की कैथलैब की शिफ्टिंग एक बार फिर उलझ गई है। दरअसल, जीएमसी प्रबंधन की ओर से कैथलैब शिफ्टिंग की एजेंसी का निर्धारण टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से करने संबंधी निर्देश दिए थे। अब इस परेशानी को दूर करने के लिए नया प्लान तैयार किया जाएगा।

इसके रिव्यू के बाद ही शिफ्टिंग पर विचार होगा। बीते एक साल से इसकी शिफ्टिंग का प्लान चल रहा है। तैयारी भी चल रही है। इस दौरान चार प्लान भी तैयार किए जा चुके हैं। 15 जनवरी 2025 तक शिफ्टिंग का दावा किया गया था। लेकिन एक बार फिर

शिफ्टिंग अटक गई है। बीते साल हमीदिया अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने के दौरान उड़ रही धूल के चलते कैथलैब बंद करनी पड़ी थी। मलबा भी कैथलैब के रास्ते में पटक दिया गया। इसके चलते करीब तीन महीने तक लैब बंद रही। इस दौरान हार्ट के आपरेशन बंद रहने पर अस्पताल में मरीजों का हंगामा होने लगा। मामले की जानकारी मिलने पर डिप्टी सीएम ने तीन महीने में कैथलैब को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने के निर्देश दिए थे।

भोपाल सराफा एसोसिएशन के लिए वोटिंग पूरी,अब काउंटिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के सराफा एसोसिएशन के चुनाव के लिए वोटिंग पूरी हो गई है। शाम 4 बजे तक 231 में से 222 मतदाताओं ने वोट डाले। 9 मतदाता वोटिंग नहीं कर सके। अब काउंटिंग होगी और शाम 7 बजे के बाद नतीजे आ जाएंगे।चुनाव में दो पैनल मैदान में है। पार्किंग, सुरक्षा, हाईमास्ट और सुलभ कॉम्पलेक्स जैसे चुनावी मुद्दे छाए रहे। मौजूदा कार्यकारिणी ने अपनी %युवा पैनल% मैदान में उतारी है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष समेत 12 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए चुनाव होंगे। चौक बाजार स्थित गोपाल धर्मशाला में वोटिंग हुई। यही पर काउंटिंग होगी। युवा पैनल%- अध्यक्ष पद के लिए अनिल अग्रवाल,

उपाध्यक्ष राजेश सोनी रज्जू, सचिव अखिलेश मित्तल, सह सचिव सचिन जैन, कोषाध्यक्ष रितेश अग्रवाल। कार्यकारिणी प्रत्याशी सुलभ मित्तल, गौरव अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विजय वर्मा, राधेश्याम गोयल, मनीष मित्तल, तरुण बिंदल, ऋषिकांत अग्रवाल, अमित मंगल, प्रशांत मंगल, शैलेंद्र सोनी। आपकी अपनी पैनल अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल सोनी, सचिव राजेश मित्तल, सह सचिव अजय गुप मुन्ना, कोषाध्यक्ष अमित बिंदल। कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कुमार सोनी, जयप्रकाश अग्रवाल, सुधांशु गोपाल अग्रवाल, अभिषेक जैन, अजय कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, गौरव बंसल, सुनील सोनी, राजेश अग्रवाल, अनूप राजानी और रमेशचंद्र सोनी। इन दोनों पैनल के अलावा एक निर्दलीय भी कार्यकारिणी सदस्य के लिए मैदान में है। यानी, मुख्य घमासान दोनों पैनल के बीच ही होगा।

कार्बन मार्केट पर मंथन, भोपाल में जुटे एसपर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कार्बन बाजार पर मंथन करने के लिए बुधवार को भोपाल में एक्सपर्ट जुटे। करीब 3 घंटे तक एक्सपर्ट ने इस मुद्दे पर चर्चा की। इन्होंने कार्बन मार्केट की उपयोगिता के बारे में बताया। कहा कि एमपी को कार्बन बाजार के लिए मजबूत बनाएंगे। जिससे आर्थिक लाभ भी बढ़ेगा। इंदौर नगर निगम कार्बन क्रेडिट कर चुका है। एप्को (पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन) और डब्ल्यूआरआई (वर्ल्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने संयुक्त रूप से %कार्बन बाजारों से लाभ और अवसरों का लाभ उठाने के लिए मप्र को मजबूत बनाना% विषय पर सेमिनार किया। इसमें प्रदेश की जलवायु और विकास संबंधी प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कार्बन बाजारों के माध्यम से कार्बन वित्त को एकीकृत करने की रणनीतियों सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा, जलवायु योजनाएं अधिक आर्थिक व्यवहारिकता की ओर बढ़ रही हैं। कार्बन मार्केट इस परिवर्तन में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश में कई क्षेत्रों के लिए कार्बन ट्रेडिंग अब व्यावहारिक है। जिसमें सौर ऊर्जा

और अपशिष्ट प्रबंधन शामिल हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति, शासकीय नीति समर्थन, वित्तीय संस्थानों से सहायता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ अधिक से अधिक सेक्टर जल्द ही कार्बन मार्केट में हिस्सेदारी लेने में सक्षम होंगे। इस तरह की कैपेसिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप्स के माध्यम से हमारा लक्ष्य यह स्टडी करना है कि अपनी परियोजनाओं में कार्बन मार्केट को बेहतर तरीके से कैसे शामिल करें। डब्ल्यूआरआई इंडिया ने इस तरह के कार्यों को विकसित करने के लिए अच्छी भूमिका भी निभाई है। कार्यशाला की शुरुआत पेरिस समझौते के अनुच्छेद-6 के अंतर्गत वैश्विक कार्बन बाजार संरचना के अवलोकन के साथ हुई, जो कार्बन मार्केट को नियंत्रित करता है।

डोल, ददरीकला एवं समरदह में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित

हमारी डबल इंजन की सरकार योजनाओं से वंचितों एवं गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: विश्वामित्र पाठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करने की मंशा से प्रदेश के संवेदनशील यशस्वी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के द्वारा ''मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'' प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के हर पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभान्वित कराना है। हमारी डबल इंजन की सरकार योजनाओं से वंचितों एवं गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त आशय के विचार श्री विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल ने जनपद पंचायत सिहावल के ग्राम पंचायत डोल, ददरीकला एवं समरदह में आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्यापूजन कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में शामिल योजनाओं एवं प्रदाय की जाने वाली सेवाओं से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री विश्वामित्र पाठक ने अपने उद्बोधन में उपस्थित जन समुदाय को महत्वपूर्ण योजनाओं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पेंशन योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड, नक्शा खसरा खतौनी की प्रतिलिपि सहित विभिन्न विभागों में संचालित 45 हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं 63 सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए आगे आकर पात्रतानुसार आवेदन कर लाभ लेने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने अधिकारियों से शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करने के लिए कहा। शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाणपत्र एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। विधायक ने ग्राम पंचायत समरदह में आदिवासी विभूतियों भगवान विरसा मुंडा, शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह की प्रतिमा स्थापित कराने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विमला सिंह सरपंच डोल, रामगोविन्द सिंह सरपंच ददरीकला, प्रबोधिनी गुप्ता सरपंच समरदह, एस.पी. मिश्रा एसडीएम सिहावल, पुष्पेंद्र पांडेय, सी पी त्रिपाठी तहसीलदार, राकेश सिंह बैस टी आई, डॉ अमित वर्मा एमओ बहरी, अतुल मिश्रा एसडीओ आरईएस, अशोक शुक्ला, श्यामलाल यादव, नीरज सिंह, छैल बिहारी द्विवेदी, पुष्पराज सिंह, श्यामसुंदर सिंह, महेश प्रजापति, दिलीप सोनी, जयप्रकाश पाण्डेय, सुभाकर द्विवेदी, योगेंद्रनाथ पाठक, इंद्रभान सिंह, उदयराज सिंह, विष्णु प्रधान, हिंछलाल शाहू, विष्णुबहादुर सिंह, सरोज साकेत सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी, वरिष्ठजन, हितग्राही बंधु उपस्थित रहे।

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष का स्वागत

सुंदरलाल शाह को मिली कमान, कहा- बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह का बुधवार को बैढ़न स्थित जिला कार्यालय में स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और अंग वस्त्र से अभिनंदन किया।

सुंदरलाल शाह ने कहा कि विश्वास नहीं था कि यह जिम्मेदारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस दायित्व का निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। शाह ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, निवर्तमान जिला अध्यक्ष राम सिमरन गुप्ता, पूर्व विधायक राम लल्लू वैश्य और सुभाष वर्मा की उपस्थिति रही। इसके अलावा नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह और जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से कारसवार 8 लोग घायल

तीन महिलाओं की हालत गंभीर, कुंभ से लौट रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना-सतना नेशनल हाईवे- 39 पर बहेरा के पास बुधवार दोपहर 12 बजे एक ट्रक ने प्रयागराज कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 8 लोग घायल हो गए। इनमें तीन महिलाओं की स्थिति गंभीर है।

छतरपुर जिले के बकस्वाहा के रहने वाले ये श्रद्धालु कुंभ में स्नान कर घर लौट रहे थे। हादसे के बाद ट्रक छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

राहगीरों की मदद से कार में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया और 108 एंबुलेंस की सहायता से पन्ना के जिला अस्पताल भेजा गया। अभी दो घायलों कुसुम रानी (40) और सुमन (45) के नाम पता चले हैं। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

सात लोगों ने दो युवकों को लाठी-डंडों से पीटा

सीधी के पूजा पार्क में दिनदहाड़े गुंडागर्दी, सामने आया वीडियो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के पूजा पार्क में मंगलवार शाम को हुई मारपीट का वीडियो सामने आया है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित इस पार्क में शाम 5 बजे के आसपास 7 लोगों ने दो युवकों को लाठी-डंडों से पीटा।

घटना के समय पार्क में सैकड़ों लोग मौजूद थे। कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि आरोपी, युवक को लाठी-डंडों के अलावा लात-घूंसों से बुरी तरह पीट रहे हैं।

टीआई बोले- अभी तक शिकायत नहीं मिली: कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि मारपीट का वीडियो उनके संज्ञान में आया है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। मारपीट की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पूजा पार्क शहर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां रोजाना शाम को बड़ी संख्या में लोग टहलने और मनोरंजन के लिए आते हैं। इस तरह की घटना से पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सीजेरियन से जन्म लेने वाले नवजात में मलद्वार नहीं

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों पर आरोप, परिजन बोले- बच्चे की उचित जांच नहीं की

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अनूपपुर मेडिकल कॉलेज में बदरा निवासी प्रसूता के परिजनों ने सीजेरियन से जन्मे बच्चे के इलाज में डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। तीन दिन पहले सुधीर चौधरी की पत्नी अंजली (32) का सीजेरियन ऑपरेशन हुआ था।

परिजनों का आरोप है कि सीजेरियन से जन्मे बच्चे में मलद्वार नहीं होने की गंभीर समस्या को डॉक्टरों ने नजरअंदाज किया। बच्चे के जन्म के बाद न तो डॉक्टरों और न ही नर्सिंग स्टाफने बच्चे की उचित जांच की है।

अस्पताल स्टाफ पर अनदेखी का आरोप: परिजनों ने जब बच्चे के मल-मूत्र त्याग न करने की शिकायत की, तो स्टाफने इसे गंभीरता से नहीं लिया। दो दिनों तक बच्चे की स्थिति बिगड़ती गई और पेट फूलने लगा। जब आईसीयू में भर्ती कर जांच की गई, तब जाकर पता चला, बच्चे में मलद्वार विकसित ही नहीं हुआ है।

नवजात के पिता चौधरी का कहना है कि समय पर समस्या का पता चल जाता, तो बच्चे की हालत बिगड़ने से पहले ही जबलपुर ले जाकर उचित इलाज करा सकते थे। अस्पताल प्रशासन ने लापरवाही स्वीकार करते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है। फिलहाल, बच्चे को गंभीर अवस्था में जबलपुर रेफर कर दिया गया है।

डॉ. नागेंद्र सिंह, अधीक्षक मेडिकल कॉलेज ने बताया कि कभी-कभार कुछ नवजातों में ऐसी शारीरिक विकृतियां हो जाती हैं। प्रसव के बाद पूरी तरह से परीक्षण किया जाए। इस मामले में ऐसा नहीं हुआ, तो जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जवाबदार नर्सिंग स्टाफऔर डॉक्टर के खिलाफकार्रवाई करेंगे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में बड़ी लापरवाही

हरपालपुर में बिना नोटिस मकान तोड़ने का आरोप, कांग्रेस ने नगर परिषद का किया घेराव

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के हरपालपुर नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान नगर परिषद की कार्रवाई से विवाद खड़ा हो गया है। कलेक्टर के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में नगर परिषद ने लहचूरा रोड और हरीहर रोड पर स्थित कई मकानों को बुलडोजर से क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के यह कार्रवाई की गई। इतना ही नहीं, कार्रवाई में भेदभाव भी बरता गया। इस मामले में बुधवार को महाराजपुर के पूर्व विधायक नीरज दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया।

नगर परिषद ने गाइडलाइन्स का पालन नहीं किया: नीरज दीक्षित ने बताया कि 10 जनवरी को शुरू हुए इस अभियान में नगर परिषद ने शासन की गाइडलाइन्स का पालन नहीं किया। जहां सिर्फ सड़क किनारे के टीन शेड हटाने थे, वहां प्रशासन ने कई लोगों के घरों की दीवारें तक तोड़ दीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन मकानों को 10 जनवरी को तोड़ा गया, उन्हें नोटिस 12 और 13 जनवरी को दिए गए।

कार्यकर्ताओं ने आंदोलन करने की चेतावनी दी: कांग्रेस नेताओं ने इस मनमानी कार्रवाई के विरोध में नगर परिषद को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कांग्रेसियों ने मामले पर हल न निकलने की स्थिति में आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

छत्रसाल चौराहे से पन्ना नाका तक जेसीबी से तोड़ी दुकानें और चबूतरे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में बुधवार की देर शाम प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पन्ना रोड पर अवैध अतिक्रमण को हटाया। एसडीएम अखिल राठौर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा, नगर पालिका कर्मचारी और सिविल लाइन थाना पुलिस बल मौजूद रहा।

कार्रवाई छत्रसाल चौराहे से पन्ना नाका तक की गई, जहां श्रब्ठ की मदद से सड़क किनारे अवैध रूप से बनी दुकानों और चबूतरों को हटाया गया। कई दुकानदारों ने स्वयं अपना सामान हटा लिया, जबकि कुछ के विरोध के बाद बुलडोजर का इस्तेमाल करना पड़ा।

एसडीएम अखिल राठौर ने बताया कि शहर में पिछले कुछ दिनों से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले राजनगर रोड पर भी ऐसी ही कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि आगे भी शहर के अन्य मार्गों से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना है। एसडीएम ने सभी दुकानदारों से अपील की है कि वे अपनी सीमित जगह में ही व्यवसाय करें और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने बताया कि सड़कों पर अवैध कब्जे के कारण आवागमन और पार्किंग में गंभीर समस्याएं हो रही थीं, जिसके चलते यह कार्रवाई आवश्यक थी।

जैतहरी के वेंकटनगर हाईस्कूल में चोरी का कुछ सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर के जैतहरी थाना क्षेत्र के वेंकटनगर स्थित शासकीय हाई स्कूल मुण्डा में हुई चोरी का कुछ सामान पुलिस ने बरामद कर लिया है। 13 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने स्कूल का ताला तोड़कर लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया था। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से जंगल की तलाशी ली, जहां करीब 2 किलोमीटर अंदर पत्थरों के बीच एक बोरी में रखा चोरी का सामान मिला।

एम्पलीफायर, सीपीयू और मॉनिटर बरामद: बरामद सामान में एम्पलीफायर, सीपीयू और 2 मॉनिटर शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 40 हजार रुपए आंकी गई है। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य संतराम प्रजापति ने बताया कि चोरों ने कंप्यूटर सेट, एलईडी टीवी, सीसीटीवी कैमरा, बायोमैट्रिक मशीन, इंडक्शन, 5 सीलिंग फैन, एक टैबलेट, लैमिनेटर मशीन और बिजली फिटिंग का सामान समेत करीब डेढ़ लाख रुपए का सामान चुराया था।

मंगलवार सुबह टूटा ताला देखकर हुई चोरी की पुष्टि: चोरी का पता मंगलवार सुबह चला, जब स्कूल का स्टाफविद्यालय खोलने आया और उसने गेट का ताला टूटा हुआ पाया। प्राचार्य ने बताया कि इससे पहले भी स्कूल में चोरी की वारदात हो चुकी हैं। पिछली चोरी में सबमर्सिबल पंप, ट्यूबलाइट, बिजली के तार, गैस सिलेंडर और मध्याह्न भोजन के बर्तन चोरी हुए थे। पिछली शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बुलंद हुए और उन्होंने फिर से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस बाकी सामान की तलाश कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में ''राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन'' कार्यक्रम संपन्न

जागरूकता ही क्षय रोग का बचाव है: डॉ गीता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी के संयुक्त निर्देशन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी को पूरी तरह से समाप्त करना है।

जिला कार्यक्रम समन्वयक विनोद तिवारी ने बताया कि यह बीमारी माइको बैक्टीरियम ट्यूबर क्लोसिस के कारण जनित होती है, जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह एक राष्ट्रीय महामारी है, प्रतिरोधक क्षमता कम होने वाले व्यक्तियों में इसकी संभावना अत्यधिक होती है। जागरूकता ही इसका मुख्य उपाय है।

कार्यक्रम की समन्वयक अभिलाषा सिंह ने बताया कि थकान, बुखार, खांसी में खून का आना, सीने में दर्द बना रहना, लगातार वजन कम होना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। महाविद्यालय में 50 विद्यार्थियों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। जिसमें दो के सिम्टम्स पॉजिटिव पाए गए।

कार्यक्रम में उमा शंकर गौतम, प्रदीप कुमार पाण्डेय, अश्विनी सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली एवं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता कर सफल बनाया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो सुनील सिंह द्वारा किया गया।

एक दिवसीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 21 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी जिला रोजगार कार्यालय ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र आई.टी.आई. एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा दिनांक 21 जनवरी 2025 को शासकीय आई.टी.आई. मड़रिया सीधी के परिसर में एक दिवसीय युवा संगम संयुक्त रूप से (रोजगार मेला, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले) का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की लगभग 06 से 07 कंपनियाँ भाग ले रही हैं। युवा संगम में शामिल होने के लिए समस्त आवेदक लिंक में अपना पंजीयन कर मेले में शामिल हो सकते हैं।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अंतर्गत कार्यालय स्टॉफ की संविदा आधार पर भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेन्द्र जोशी ने जानकारी देकर बताया कि लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अंतर्गत कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में 01 पद कार्यालय सहायक/क्लर्क, 01 पद रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एन्ट्री आपरेटर एवं 01 पद कार्यालय भृत्य के लिए संविदा आधार पर 01 वर्ष नियुक्ति हेतु आवदेन पत्र 10 फरवरी सायं 05:00 बजे तक कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय सीधी में आमंत्रित किये गये है। उक्त विज्ञप्ति कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के सूचना पटल पर चस्पा है एवं जिला न्यायालय सीधी के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

विचार

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है।

अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे।

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट नई दिल्ली से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है।

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

ललित गर्ग

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है।

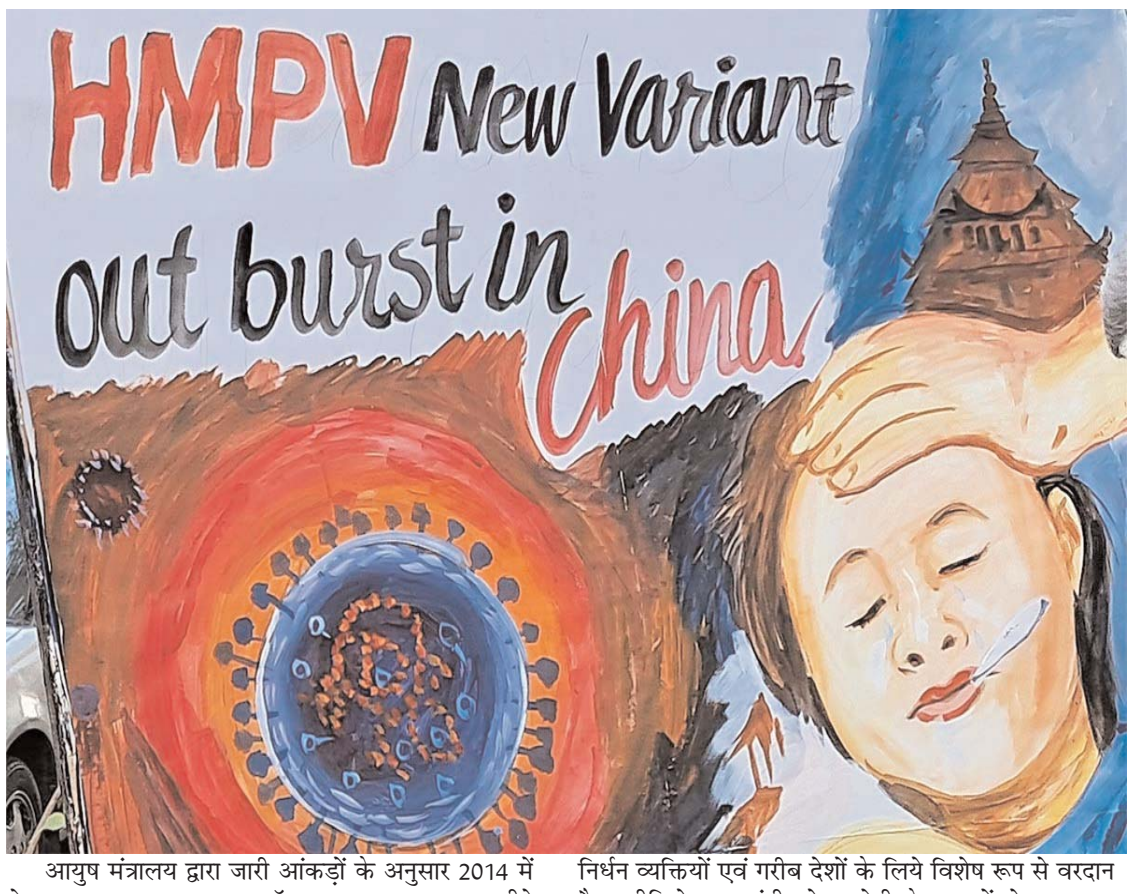

आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है।

नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख़ कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फ़ार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

त्रिवेणी तट पर सजा धर्म, संस्कृति, आस्था, आध्यात्म, व आधुनिकता का अद्भुत संगम

दीपक कुमार त्यागी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की दिव्य धरती पर धर्म-संस्कृति व प्राचीन परंपराओं के अद्भुत संगम से परिपूर्ण दिव्य शहर गंगा यमुना व सरस्वती के संगम तट की रेती पर अब अपना स्वरूप पूरी तरह से ले चुका है। अपनी भव्यता के चलते ही आस्था, धर्म, आध्यात्म व संस्कृति के विशाल संगम का महाकुंभ शुरू होने से पहले ही जबरदस्त चर्चा में आ चुका है। क्योंकि संगम तट पर आधुनिक व प्राचीन के अद्भुत संगम की आस्था और अध्यात्म एक पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अपनी थीम के ही अनुरूप भव्य-दिव्य व नव्य आकार ले चुकी है। दिन-रात की मेहनत के बाद अब संगम तट की रेती पर बसी एक बड़ी अद्भुत भव्य अनोखी नगरी महाकुंभ के आयोजन के साक्षी बनने आ रहे संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों का दिल खोलकर के स्वागत करने के लिए तैयार हो गयी है। संगम तट की पूजनीय दिव्य धरा पर संत, महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए एक ऐसा भव्य शहर तैयार हो चुका है, जिसको शिल्पकारों ने इस तरह से तराशा है कि धार्मिक आस्था व प्राचीन संस्कृति के साथ-साथ भौतिक सुख साधनों की कामना रखने वाले लोगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध की गयी हैं, जिसकी भव्यता देखकर के देखने वाले की आंखें चौंधिया जायेंगी।

हालांकि इस प्राचीन धर्म नगरी प्रयागराज में वर्ष 2019 के कुंभ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ही भव्य-दिव्य आयोजन 3200 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में हुआ था। लेकिन वर्ष 2025 में एकबार फिर से महाकुंभ की यह दिव्य नगरी मोदी-योगी के कुशल मार्गदर्शन में एक नया इतिहास रचने जा रही है। जिसके चलते ही इस बार महाकुंभ में आने वाली भारी भीड़ के दृष्टिकोण से कुंभ के मेला क्षेत्र का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है। लंबे समय से चली आ रही तैयारियों के बाद अब वह समय आ गया है जब त्रिवेणी के अद्भुत दिव्य तट पर सनातन धर्म के अनुयायियों का धर्म, आध्यात्म व आस्था के संगम के महाकुंभ का विशाल आयोजन 13 जनवरी शुरू होने वाला है और जोकि 26 फ़रवरी तक चलेगा। जिसको अद्भुत, अलौकिक, दिव्य, भव्य व नव्य स्वरूप प्रदान करने को मोदी व योगी सरकार दृढ़ संकल्पित है।

इस बार के महाकुंभ 2025 के आयोजन के बजट पर एक नज़र डालें तो महाकुंभ के आयोजन के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपए का खर्च सामने आ रहा है। जिस में से 2,100 करोड़ रुपए का आवंटन केंद्र सरकार के द्वारा किया है, वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने 5,435.68 करोड़ रुपए का विशाल बजट निर्धारित किया है। जबकि वर्ष 2019 में कुंभ मेले के लिए 4,200 करोड़ रुपए का बजट था। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो हर कुंभ मेले की तरह ही इस बार भी महाकुंभ का देश की जीडीपी में एक बहुत ही बड़ा योगदान रहने की संभावना है, जिसके चलते ही मेला क्षेत्र छोटे व बड़े व्यापारियों, दुकानदारों आदि को आकर्षित करने का कार्य बखूबी कर रहा है, लोग महाकुंभ क्षेत्र में तरह-तरह का व्यापार करने के लिए उत्साहित हैं।

हालांकि सनातन धर्म संस्कृति व परंपराओं के अनुसार महाकुंभ का यह पूरा समय ही अनुष्ठानों का एक भव्य दिव्य समागम है। जिसमें पूरे समय ही

पूजा पाठ व स्नान आदि मुख्य रूप से होता है, लेकिन इस मेले में कुछ विशेष तिथि पर स्नान करने को बहुत ही शुभ माना जाता है। जिसमें भाग लेने के लिए ही संगम के किनारे करोड़ों संत, महात्मा व तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं और उन सभी का अटूट, श्रद्धा व विश्वास होता है कि शाही स्नान के लिए तय तिथियों में संगम के पवित्र जल में स्नान करने से उनका जीवन धन्य हो जाता है, उनको सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और वह स्वयं खुद के साथ-साथ अपने पूर्वजों को भी पुनर्जन्म के जीवन चक्र से मुक्त कर सकते हैं, इसलिए शाही स्नान की तिथि पर कुंभ नगरी में भारी भीड़ रहती है। इस बार महाकुंभ में शाही स्नान की वह विशेष तिथियां हैं -

बहुत सारी विशेषताएं हैं। सरकार ने महाकुंभ-2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप प्रदान करते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का कार्य किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरे महाकुंभ स्थल को एक जनपद का दर्जा दिया गया है और वहां पर जनपद स्तरीय अधिकारियों की पूरी टीम तैनात की गयी है। एक जनपद की तरह ही जरूरी विभिन्न विभागों के कार्यालय सर्किट हाउस और पुलिस लाइन का निर्माण किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने की उम्मीद को देखते हुए इस बार कुंभ क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर में किया गया है, भारी भीड़ के मद्देनजर महाकुंभ की बसावट में बदलाव किया गया है। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ नगरी को बसाया गया है। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पोंटून पुल बनाये गये हैं।

महाकुंभ में %स्वच्छ भारत मिशन% को अमली जामा पहनाने के लिए स्वच्छता का माडल प्रस्तुत होगा। योगी सरकार ने महाकुंभ को स्वच्छता के माडल के रूप में देश व दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए पूरी तैयारी की है। योगी सरकार ने स्वच्छ महाकुंभ के मद्देनजर इस बार 1.5 लाख शौचालय बनाये हैं, मेला क्षेत्र में 25 हज़ार कूड़ेदान लगाए गए हैं, 15 हज़ार स्वच्छता कर्मी तैनात किए हैं, 160 अपशिष्ट प्रबंधन वाहनों का इंतजाम किया है।महाकुंभ को दिव्य व भव्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिर एवं घाटों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 29 मंदिरों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 11 कॉरिडोर का विकास किया गया है, 12 किमी अस्थायी घाट का निर्माण किया गया है, 8 किमी रिवर फ्रंट सड़कें बनाई गयी हैं।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में उपराष्ट्रपति ने मेधावी छात्रों को दिए मेडल

11वें दीक्षांत समारोह में 122 शोधार्थी-157 छात्र सम्मानित, कैंपस में लगाए चंदन-रुद्राक्ष के पौधे

बिलासपुर एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिलासपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने टॉपर छात्रों को मेडल दिए। उनके साथ सीएम विष्णुदेव साय, राज्यपाल रामन डेका सहित अन्य अतिथि भी शामिल रहे।

मंच पर छात्रा मैथिली तिवारी और साहनवी झा को विश्वविद्यालय पदक से नवाजा गया। वहीं, इतिहास विभाग के छात्र प्रभव दुबे को गोल्ड मेडल दिया गया। बता दें कि प्रभव यूनिवर्सिटी का ऐसा छात्र है, जिसने स्नातक में भी गोल्ड मेडल हासिल किया था।

122 शोधार्थी और 157 मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित: समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यूनिवर्सिटी के 122 शोधार्थी और 157 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। वहीं 5,859 छात्र-छात्राओं को मंच से डिग्री देने की घोषणा की गई। इसके बाद उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यूनिवर्सिटी कैंपस में चंदन और रुद्राक्ष का पौधा लगाया।

एमए हिस्ट्री ऑनर्स के विश्वविद्यालय गोल्ड मेडल से सम्मानित छात्र प्रभव दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय में लगातार क्लास अटैंड करने के साथ-साथ ऑनलाइन विषयों की पढ़ाई करते थे। विभिन्न विषय की पुस्तकों का अध्ययन करते थे।

इसके पूर्व 2023 में आयोजित विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में बीए हिस्ट्री ऑनर्स विषय में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित हो चुके हैं। हिस्ट्री उनका पसंदीदा विषय है।

समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल ने किया। बुधवार दोपहर तीन बजे रजत जयंती सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मेधावियों और शोधार्थियों को स्वर्णमंडित पदक और उपाधि से सम्मानित किया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात: सुरक्षा के लिए सोमवार और मंगलवार को सेना के हेलिकाप्टर का लैंडिंग ट्रायल हुआ। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के लिए 5 आईपीएस, दर्जन भर एएसपी सहित 200 से अधिक जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी। उपराष्ट्रपति धनखड़ के लिए 5 हैलीपैड बनाए गए थे। इसमें तीन हैलीपैड ओपन यूनिवर्सिटी के परिसर में और दो सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बनाए गए थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में लिंक ए.आर.टी. सेंटर का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा विडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में लिंक ए.आर.टी. सेन्टर की शुभारंभ किया गया है। इस सेन्टर के माध्यम से एचआईवी से संक्रमित मरीजों को सम्पूर्ण औषधि का लाभ मिलेगा । पूर्व में एचआईवी से संक्रमित मरीजों को 200 किमी दूर लिंक ए.आर.टी. सेन्टर, अम्बिकापुर से औषधी लेने जाना पड़ता था। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के द्वारा मरीजों के परेशानियों को ध्यान में रखते हुए, नवीन जिला एम.सी.बी. के अर्न्तगत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में लिंक ए.आर.टी. सेंटर का शुभारंभ किया गया। लिंक ए.आर.टी. सेन्टर में एचआइव्ही संक्रमित मरीजों के लिए औषधी उपलब्ध रहेगी। जिला में वर्ष 2008 से माह नवम्बर 2024 तक लगभग 269 मरीज एचआइव्ही से संक्रमित है।

जिसका विवरण आईसीटीसी (एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र) मनेन्द्रगढ़ में एचआईवी से संक्रमित मरीजों की संख्या 178, आईसीटीसी चिरमिरी में एचआईवी से संकमित मरीजों की संख्या 85 एवं आईसीटीसी जनकपुर में एचआईवी से संक्रमित मरीजों की संख्या 06 पंजीकृत है। वर्तमान समय जिले में 01 अप्रैल 2024 से माह नवम्बर 2024 तक 50 मरीज एचआईवी से संक्रमित मरीजों का पंजीयन किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे द्वारा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का बैठक आहूत कर लिंक ए.आर.टी. सेन्टर के संबंध में जानकारी दी एवं एचआईवी से संक्रमित मरीजों का सम्पूर्ण ईलाज के संबंध में बताया गया। साथ ही तीनो विकासखण्ड के आईसीटीसी के परामर्शदाताओं को एचआईवी संक्रमित मरीजां का प्रबंधन संबंधी जानकारी दी गई। बैठक दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कुछ संक्रमित मरीजों को औषधि वितरण एवं सेवन के संबंध में जानकारी देते हुए लिंक ए.आर.टी. सेंटर का शुभारंभ किया गया।

देश की रक्षा के लिए समर्पित है 15 जनवरी थल सेना दिवस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय सेना दिवस 15 जनवरी को मनाने के पीछे एक ऐतिहासिक महत्व है। यह दिन फील्ड मार्शल केएम करियप्पा के सम्मान में मनाया जाता है। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। वह भारत के पहले सेना प्रमुख बने थे और उन्होंने देश की स्वतंत्रता के बाद सेना का नेतृत्व किया था। इस दिन का महत्व इस तथ्य में भी निहित है कि यह दिन भारतीय सेना की बहादुरी और बलिदान को याद दिलाता है। यह दिन उन सैनिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। इस वर्ष 2025 में 77 वां भारतीय सेना दिवस पूरे देश में भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। जिसमें सैन्य परेड और विभिन्न समारोह आयोजित किए जाएंगे। यह दिन भारतीय सेना की बहादुरी और समर्पण को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

थल सेना का इतिहास: भारतीय आर्मी का गठन ईस्ट इंडिया कंपनी ने साल 1776 में कोलकाता में किया था। इस सेना पर देश की आजादी से पहले ब्रिटिश कमांडर का अधिकार था। साल 1947 में जब भारत आजाद हुआ तब भी भारतीय सेना का अध्यक्ष ब्रिटिश मूल का ही होता था। 2 साल बाद यानी साल 1949 में आखिरी ब्रिटिश कमांडर इन चीफ जनरल फ्रांसिस बुचर ने अपना पद छोड़ दिया। 1947 में स्वतन्त्रता मिलने के बाद ब्रिटिश भारतीय सेना को नये बने राष्ट्र भारत और इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सेवा करने के लिये 2 भागों में बाँट दिया गया। अधिकतर इकाइयों को भारत के पास रखा गया। चार गोरखा सैन्य दलों को ब्रिटिश सेना में स्थानांतरित किया गया जबकि शेष को भारत के लिए भेजा गया।

15 जनवरी को ही क्यों मनाते हैं सेना दिवस: आधुनिक भारतीय सेना की शुरुआत 1 अप्रैल 1895 को हुई। उस वक्त इसे भारत को गुलाम बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्रेसिडेंसी आर्मी के रूप में खड़ा किया था। जिसे बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना के नाम से जाना गया। आखिरकार लंबे संघर्ष के बाद देश के आजाद होने के बाद यह भारतीय सेना कही जाने लगी। लेकिन 15 जनवरी 1949 तक इसके कमांडर ब्रिटिश सैन्य अधिकारी जनरल फ्रांसिस बुचर थे। आजादी के बाद 15 जनवरी 1949 को हमें पहले भारतीय सेना प्रमुख मिले. जिनका नाम फील्ड मार्शल केएम करियप्पा था। इसलिए 15 जनवरी को ही भारतीय सेना दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया।

सेना दिवस पर क्या होता है: भारतीय सेना दिवस के अवसर पर देश भर में विभिन्न समारोह आयोजित किए जाते हैं। जिनमें सैन्य परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सेना के जवानों को सम्मानित करने के कार्यक्रम शामिल हैं। सेना दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन दिल्ली के छावनी के करिअप्पा परेड ग्राउंड में होता है, जहां भारतीय सेना के जवान अपनी बहादुरी और अनुशासन का प्रदर्शन करते हैं।

भारतीय सेना के बारे में कुछ रोचक तथ्य: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1.3 मिलियन भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसमें से 74,000 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। नई दिल्ली में स्थित इंडिया गेट इन बहादुर सैनिकों की याद में बनाया गया है।भारतीय सेना का इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध है, और इसमें कई महत्वपूर्ण घटनाएं और युद्ध शामिल हैं। भारतीय सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वयंसेवी सेना है। जिसमें 12 लाख से अधिक सक्रिय सैनिक और 9 लाख आरक्षित सैनिक शामिल हैं। भारतीय सेना दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र, सियाचिन ग्लेशियर को नियंत्रित करती है। जो समुद्र तल से 20,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित हैप्यह गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर भी है। 61वीं कैवेलरी रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे बड़ी घुड़सवार इकाइयों में से एक है और दुनिया की आखिरी सक्रिय और गैर-यंत्रीकृत घुड़सवार इकाइयों में से भी एक है। अनुशासन और युद्ध कौशल के लिए प्रसिद्ध भारतीय सेना विश्व में चौथे स्थान पर आती है। जो केवल अमेरिका, रूस और चीन के बाद है, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाले देशों में शामिल है, और वर्तमान में 6,000 से अधिक भारतीय सैनिक विभिन्न मिशनों में तैनात हैं। 2013 में उत्तर भारत में आई भीषण बाढ़ के दौरान भारतीय सेना ने "ऑपरेशन राहत" में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मिशन में भारतीय वायुसेना ने 19,600 से अधिक लोगों को एयरलिफ्ट किया। जबकि भारतीय सेना ने 10,500 से अधिक लोगों को सड़कों और हेलीकॉप्टरों की मदद से बचाया। 1982 में, भारतीय सेना ने लद्दाख में विश्व का सबसे ऊंचा पुल दाबेली ब्रिज बनाया। यह पुल समुद्र तल से 18,739 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसकी लंबाई 98 फीट है।

भारतीय सेना के पास कुशल डॉग स्क्वॉड भी है, जिसमें जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर और बेल्जियन मेलिनॉय जैसी नस्लें शामिल हैं। ये प्रशिक्षित कुत्ते विस्फोटक खोजने, ट्रैकिंग और बचाव कार्यों जैसे अभियानों में सेना की महत्वपूर्ण सहायता करते हैं। भारतीय सेना न केवल अपनी बहादुरी के लिए जानी जाती है, बल्कि उसके रोचक इतिहास और शानदार परंपराओं के लिए भी सम्मिलित है। गोरखा रेजीमेंट गोरखा सैनिकों ने कारगिल युद्ध सहित कई अभियानों में अपनी वीरता का परिचय दिया है।

गार्ड को गोली मारकर 78 लाख की लूट

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जांजगीर-चांपा में खोखरा स्थित शराब दुकान के पास दो बदमाशों ने शराब दुकानों से कैश कलेक्शन कर रही टीम से 78 लाख रुपए लूट लिए। बदमाशों ने सिक्योरिटी गार्ड के पैर में गोली मारकर वारदात को अंजाम दिया। घटना मंगलवार कर करीब साढ़े शाम 5 बजे की है। कैश कलेक्शन टीम में ड्राइवर समेत 3 लोग थे। टीम ने कई शराब दुकानों से कैश कलेक्शन किया था। जो बोलेरो वाहन (सीजी 12 एजेड 8733) में रखा था। गाड़ी का डोर नहीं खोलने पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की। 50 पुलिस अफसर मामले की जांच में जुटे हैं। जिस पेटी में रकम रखी गई थी उससे रुपए निकालकर शराब दुकान से 50 मीटर दूर स्थित नहर में फेंका गया था। पुलिस ने पेटी बरामद कर लिया है।

अलग-अलग जगह से कलेक्शन कर पहुंचे थे खोखरा: टीम सुबह 10 बजे कैश कलेक्शन करने निकली थी। इस टीम में कलेक्शन एजेंट धीरज सिंह के साथ ड्राइवर अमन सिंह और एक सिक्योरिटी गार्ड शैलेंद्र सिंह शामिल थे।

रमदहा जलप्रपात जिले का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल

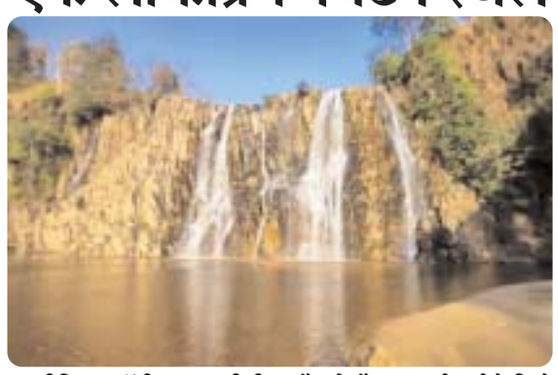

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। उत्तर छत्तीसगढ़ में स्थित रमदहा जलप्रपात वास्तव में एक आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह जलप्रपात घने जंगलों से घिरा हुआ है, जो इसकी सुंदरता को और भी बढ़ाता है। यह जलप्रपात पिछले कुछ वर्षों में सैलानियों के बीच काफ़ी लोकप्रिय हुआ है और यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण ने इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बना दिया है। रमदहा जलप्रपात की सुंदरता न केवल इसके जलप्रपात में है, बल्कि इसके आसपास के क्षेत्र में भी फैली हुई है। यहाँ के घने जंगल, हरे-भरे मैदान और शांत वातावरण इसे एक आदर्श स्थल बनाते हैं। जहाँ लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ आराम कर सकते हैं और प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। यह जलप्रपात छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 350 किलोमीटर की दुरी में स्थित है, जो इसे एक आसानी से पहुँच योग्य स्थल बनाता है। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अंतर्गत पड़ने वाले ब्लॉक जनकपुर मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर बहरासी वन परिक्षेत्र का करवा बीट पड़ता है। जहां के ग्राम पंचायत धोवाताल के बरेल नाम के जंगल से बनास नदी का उद्गम होता है। बनास नदी के उद्गम स्थल से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर जिले का यह प्रसिद्ध रमदाह जलप्रपाप है। जहां पर जाकर यह नदी अपनी सुंदरता को 50 मीटर चौड़ाई और 100 फीट नीचे गिरते हुए बिखेरती है। इस दौरान जलप्रताप का बहता पानी एक अलग ही खूबसूरती को बयां करता है। जिसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ मध्य प्रदेश से लेकर उत्तर प्रदेश तक के पर्यटक इसकी सुंदरता को निहारने के लिए यहां पहुंचते हैं। यह जलप्रपात न सिर्फ उत्तर छत्तीसगढ़ बल्कि पड़ोसी प्रांत मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी प्रसिद्धि हो चुका है। दिसंबर और जनवरी के महीने के दौरान यहां लोग पहले पिकनिक मनाने के लिए आते थे। वर्तमान में प्रत्येक दिन सैलानियों का यहां आना-जाना लगा रहता है। यह जलप्रपात पूरी तरह से प्राकृतिक रूप से विकसित है, जो वर्षा के दिनों में अपनी सौंदर्य बिखेरता है। यह जलप्रपात पूरी तरह से प्राकृतिक है। बनास नदी का पानी ऊंचाई से जब नीचे गिरता है, तो नीचे से ऐसा प्रतीत होता है मानों धुंध ने समूचे स्थल को घेर लिया है। झरने से गिरता पानी आगे चलकर बनास नदी का विराट स्वरूप ले लेता है। बारिश के दिनों में जलप्रपात की सुंदरता वास्तव में अद्भुत होती है। पानी की धारा तेज होती है और जलप्रपात की आवाज़ सुनने में बहुत ही सुखद लगती है। यह जलप्रपात अपनी अनोखी सुंदरता के लिए जाना जाता है, जो पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह जलप्रपात की सुंदरता कुछ ऐसी है कि इसे हर कोई अपने कैमरे में कैद करना चाहता है।

तालाब में मिली युवक की लाश

शरीर में मिले चोट के निशान, हत्या की आशंका, गुस्साए लोगों ने 6 घंटे तक किया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में मंगलवार दोपहर तालाब में युवक की लाश मिली, उसके शरीर पर जख्मों के निशान देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। इस घटना से नाराज लोगों ने 6 घंटे तक चक्काजाम कर दिया।

युवक रात से तापता था और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है। ग्राम गतौरा के अमहापारा तालाब में मंगलवार दोपहर लोगों ने युवक की लाश को पानी में देखा। शव मिलने की जानकारी मिलते ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस के डायल 112 को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया, तब पता चला कि मृतक युवक ग्राम गतौरा के ही सूर्यवंशी मोहल्ले के कंकालीन मंदिर के पास रहने वाले अशोक कुमार टेंगवार (22) पिता स्वः अलख राम टेंगवर की है। उसके शरीर में चेहरा, सीना और पीठ में गंभीर चोट के निशान भी मिले।

छेरछेरा मनाने के बाद शाम को टहलने निकला था युवक: पुलिस की पूछताछ में पता चला कि अशोक सोमवार को छेरछेरा पर्व मनाने गया था। जिसके बाद दोपहर में घर आया। फिर शाम को 7 बजे के आसपास अपनी मौसी के घर से खाना खाकर टहलने निकला था, जिसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला। इस दौरान परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

तेज रफ्तार बलेनो डिवाइडर पर चढ़ी

एयरबैग ने बचाई 3 लोगों की जान, बिजली के खंभे से टकराई कार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में मंगलवार रात एक तेज रफ्तार कार का भीषण हादसा हुआ। जिला न्यायालय के सामने रात करीब 9:30 बजे कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर पर चढ़ी और फिर बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में कार में सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुलने से कार सवार यात्री सुरक्षित बच गए वरना बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, हादसे के बाद कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

टक्कर के बाद तुरंत खुल गए एयरबैग: घटना नेहरू चौक से मुंगेली नाका की ओर जाते समय हुई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद स्टीयरिंग और डैशबोर्ड के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिसने यात्रियों की जान बचा ली। मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस ने 112 की मदद से घायलों को तत्काल सिम्स अस्पताल पहुंचाया।

सिविल लाइन थाना के प्रधान आरक्षक मनोज बरेठ के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त बलेनो कार (नंबर सीजी 04 एलएल 7722) पेंड्रा की है। हादसे के बाद एक व्यक्ति कार के बारे में पूछताछ करने आया था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा।

पुलिस ने कार को जब्त कर थाने में रखा है और वाहन मालिक की तलाश की जा रही है। घायलों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है और मामले में कोई अपराध दर्ज नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि से समृद्धि की और बढ़ते कदम

पथ विक्रेताओं के परिवारों को महत्वाकांक्षी योजनाओं का मिल रहा विशेष लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर निधि, पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन से नगर निगम चिरमिरी के फुटकर दुकानदारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

गौरतलब है कि कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन में हुए नुक़सान एवं व्यवसाय को पुनः स्थापित करने वाले चाट, फ़ुल्की, सब्जी एवं फ़ल दुकान, नाई, पंचर बनाने का काम करने वाले छोटे-मझौले व्यवसायों के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना के तहत ऐसे शहरी पथ विक्रेताओं को बैंक के माध्यम से क्रमशः 10 से 20 हज़ार एवं 50 हज़ार 03 से 04 प्रतिशत ब्याज पर ऋण राशि प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित 1521 शहरी पथ विक्रेताओं के पूरे परिवारों के सदस्यों को स्वनिधि से समृद्धि योजना

अंतर्गत भारत सरकार की 08 महत्वकांक्षी योजनाओं से जोड़ने हेतु इन परिवारों के सामाजिक-आर्थिक, सर्वेक्षण का कार्य नगर निगम में किया जा रहा है। वही स्वनिधि से समृद्धि योजना के अंतर्गत पीएम सुरक्षा बिमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम जन-धन योजना, पीएम श्रमयोगी मानधन योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा बिमा योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड एवं रजिस्ट्रेशन अंडर बीसोसिडब्लू से शहरी पथ विक्रेताओं के परिवारों के सदस्यों को जोड़ा जाता है।

इस सम्बंध में आयुक्त रामप्रसाद आचला ने बताया कि स्वनिधि से समृद्धि योजना अंतर्गत अब तक कुल 865 लक्षित परिवार सामाजिक, आर्थिक प्रोफाईलिंग का कार्य पूर्ण कर भारत शासन इन योजनाओं हेतु पात्र पाया गया है, जिसमें पीएम सुरक्षा बिमा योजना 1681, पीएम जीवन ज्योति बिमा योजना 1309, पीएम जन धन योजना 267, पीएम श्रमयोगी मानधन योजना 475, जननी सुरक्षा योजना 12, वन नेशन वन राशन कार्ड 06 रजिस्ट्रेशन अंडर बॉस 18 शासन के निर्देशानुसार सर्वेक्षण के विभिन्न योजनाओं हेतु पात्र सदस्यों को संबंधित योजना से जोड़ने संबंधित विभाग एवं वेंडर के परिवार के सदस्यों से समन्वय कर निकाय स्तर पर शिविरों का आयोजन कर संबंधित योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

कलेक्टर व निगम प्रशासक के निर्देश पर निगम आयुक्त शहर की साफ़-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का प्रतिदिन कर रहे निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के विशेष निर्देश पर कलेक्टर एवं प्रशासक नगर निगम चिरमिरी के मार्गदर्शन पर नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला चिरमिरी के वार्डों का भ्रमण प्रतिदिन कर रहे हैं। नगर निगम के स्वच्छता प्रभारी उमेश तिवारी के साथ प्रातः सुबह साफ-सफाई एवं वार्डों मे चल रहे हैं, निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं।

राज्य शासन के निर्देशानुसार निगम आयुक्त कोरिया कॉलरी के एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण कर कचरा पृथककरण की जानकारी लेकर सेंटर में साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से होने पर स्वच्छता दीदियों की प्रसंशा की। उन्होंने स्वच्छता दीदियों को समझाइए देते हुए कहा कि शहर में शत-प्रतिशत यूजर जार्च वसूली पर विशेष ध्यान देवें। इसके साथ ही आयुक्त ने शहर के बड़ाबाजार में अस्थाई जिला चिकित्सालय का भी औचक निरीक्षण कर पूरे परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था निरंतर बनाए रखने कर्मचारी व आमजनों से अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बड़ाबाजार में तालाब का निरीक्षण कर उपस्थित कर्मचारियों को बेहतर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम के सहायक अभियंता विजय बधावन, जिला समन्वयक (पीआईयु) प्रवीण कुमार सिंह मौजूद रहे।

मनेंद्रगढ़ के सीलबंद तीन दुकानों के लिए दावा आपत्ति 17 तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगर मनेन्द्रगढ़ की जनता को सूचित किया जाता है कि हल्का पटवारी मनेन्द्रगढ़ द्वारा स्थल जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत कर प्रतिवेदित किया गया है कि बाह्य नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 262/1 रकबा 4.31/1430 वर्गफीट खुली भूमि बाह्य नजूल संधारण खसरा में दर्ज भूमि का तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ व जनपद सीईओ मनेन्द्रगढ़ हल्का पटवारी द्वारा स्थल निरीक्षण में पाया कि भू-खण्ड कमांक 262/1 के अंश भाग रकबा 63*53=3339 वर्गफुट भूमि पर जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ द्वारा निर्मित दो दुकान सह गोदाम व सारांश सिन्हा आ. सत्येन्द्र सिन्हा के अंश भाग रकबा 32*29=928 वर्गफीट पर एक दुकान बनाकर अतिक्रमण किया गया है।

स्थल पर दुकान सह गोदाम में संलग्न अनुसार सामग्री जब्त कर तीन दुकानों को सील बंद किया गया। ऐसा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अग्रिम कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त के संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा पेश करना है तो 17 जनवरी 2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार का आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

महाकुंभ में एंटी ड्रोन सिस्टम ने 9 ड्रोन गिराए

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ का बुधवार को तीसरा दिन है। सीएम योगी ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संभावना जताई कि मौनी अमावस्या के दिन 8 से 10 करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं। इसलिए सभी तैयारियां दुरुस्त रखें। मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। इस बीच पूरे महाकुंभ में हाईटेक सुरक्षा है। किसी को भी बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने की परमिशन नहीं है। यहा लगे एंटी-ड्रोन सिस्टम ने अब तक मेला क्षेत्र में 9 ड्रोन मार गिराए (निष्क्रिय) हैं। इधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव हरिद्वार में हैं। वहां उन्होंने मकर संक्राति पर पर गंगा स्नान किया। महाकुंभ को लेकर अखिलेश ने कहा- जब मां गंगा बुलाएंगी, तब संगम जाएंगे। वहीं, महिला मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्षा रिछारिया को रथ पर बैठाने को लेकर महाकुंभ में कंट्रोवर्सी शुरू हो गई है। शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा- धर्म को प्रदर्शन का हिस्सा बनाना खतरनाक है। हर्षा यहां साध्वी की तरह रह रही हैं। मंगलवार को पेशवाई के दौरान वहां महामंडलेश्वर के रथ पर बैठी नजर आई थीं।

केजरीवाल ने नई दिल्ली सीट से नामांकन भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को नई दिल्ली सीट से नॉमिनेशन फाइल किया। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने वाल्मीकि मंदिर में पूजा की। इसके बाद वे हनुमान मंदिर पहुंचे। पूजा के बाद उन्होंने कहा- भगवान मेरे साथ है। इसके बाद वे कार्यकर्ताओं के साथ रैली करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद केजरीवाल ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को कहना चाहूंगा कि काम के लिए वोट दीजिएगा। एक तरफ काम करने वाली पार्टी है और दूसरी ओर गाली-गलौज वाली पार्टी है। हम इस बात पर चुनाव लड़ रहे हैं कि पिछले 10 सालों में क्या काम हुआ है। इधर भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर महिलाओं को जूते बांटने के आरोप में एफआईआर हुई है। इलेक्शन कमीशन के रिटर्निंग ऑफिसर ने दिल्ली पुलिस को मामला दर्ज करने के लिए चिट्‌ठी लिखी है। भाजपा ने प्रवेश वर्मा को पूर्व सीएम केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से उतारा है, वहीं कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया। पूर्व सीएम केजरीवाल का सामना दो दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों से होगा। प्रवेश वर्मा पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं, वहीं संदीप दीक्षित पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे हैं।

छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री शराब घोटाले में अरेस्ट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को तीसरी बार वे ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान ईडी ने उन्हें अरेस्ट किया। उनका बेटा भी इस केस में आरोपी है, लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। कोर्ट ने 21 जनवरी तक ईडी को कवासी लखमा की रिमांड दे दी है। कोर्ट में पेश होने के दौरान कवासी लखमा ने कहा- मेरे पास से एक रुपए नहीं पकड़ा गया, ना ही कोई दस्तावेज मिला है। शाह, मोदी और पूरी बीजेपी सरकार फर्जी मामला बनाकर मुझे परेशान कर रहे।

जापान बनेगा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का कंट्री पार्टनर-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष में प्रवेश पर उनको समर्पित मंत्रि-परिषद की अगली बैठक 24 जनवरी को महेश्वर में होगी। ग्वालियर मेला और विक्रमोत्सव उज्जैन में मोटरयान करों में छूट के आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (गरीब-युवा-अन्नदाता और नारी शक्ति) पर ध्यान के ध्येय वाक्य के क्रियान्वयन के अंतर्गत प्रदेश में आरंभ स्वामी विवेकानंद युवा

शक्ति मिशन की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शीघ्र ही गरीब कल्याण मिशन का क्रियान्वयन भी प्रदेश में आरंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों और निवेश प्रोत्साहन की दिशा में अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल में होने जा रही है। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में जापान भी कंट्री पार्टनर के रूप में भाग लेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए 27 जनवरी से 1 फरवरी तक जापान यात्रा प्रस्तावित है।

देश को 3 नए युद्धपोत मिले

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन वॉरशिप सूरत (डिस्ट्रॉयर), नीलगिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट) और वाघशीर (सबमरीन) को राष्ट्र को समर्पित किए। इन तीनों अल्ट्रा-मॉर्डन वॉर शिप से नेवी की ताकत और बढ़ जाएगी। मोदी ने कहा 15 जनवरी को आर्मी डे के रूप में भी मनाया जाता है। आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य दिया था, नया विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन को एकसाथ कमीशन किया जा रहा है। ये तीनों मेड इन इंडिया हैं। 1. भारत मैरीटाइम पावर बन रहा है आज जो प्लेटफॉर्म लॉन्च हुए हैं, उनमें भी इसकी झलक है। नीलगिरी चोल वंश के सामुद्रिक सामर्थ्य के प्रति समर्पित है।

राहुल बोले- भाजपा-संघ के साथ इंडियन स्टेट से लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि भाजपा और आरएसएस ने देश की सभी संस्थानों पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न सिर्फ भाजपा और आरएसएस, बल्कि इंडियन स्टेट (भारत सरकार) से भी लड़ाई लड़ रही है। राहुल ने यह बयान दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर कही। इस बयान के बाद भाजपा बोली कि राहुल ने तो खुलेआम जंग छेड़ दी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर लिखा- राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है

कि वे भारत से लड़ रहे हैं। ये लोग भारत को और कमजोर करना चाहते हैं।

जेपी नड्डा ने कहा, कांग्रेस का गंदा सच उनके नेता ने ही उजागर कर दिया है। मैं राहुल गांधी की सराहना करता हूं कि उन्होंने खुद ही यह बात साफ-साफ कह दी जो कि पूरा देश जानता है। वे भारत सरकार से ही लड़ रहे हैं। कांग्रेस का इतिहास रहा है ऐसी ताकतों को बढ़ावा देने का, जो देश को कमजोर करना चाहती हैं।

भागवत का बयान देशद्रोह राहुल गांधी ने कहा कि मोहन भागवत कह रहे हैं कि 1947 में भारत को सच्ची आजादी नहीं मिली थी। मोहन भागवत का यह बयान हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ हर एक भारतीय नागरिक का अपमान है।

सोनिया ने नए कांग्रेस मुख्यालय का इनॉगरेशन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी भवन 9, कोटला रोड, नई दिल्ली यह कांग्रेस पार्टी का नया पता है। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को इसका उद्घाटन किया। करीब 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला है। इससे पहले पुराना ऑफिस 24, अकबर रोड था। नए ऑफिस की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी। यह भाजपा मुख्यालय से 500 मीटर दूर है। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे। भाजपा दफ्तर डेढ़ साल में बना था। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने 2019 में कहा था- भाजपा मुख्यालय 700 करोड़ में बना है। भाजपा देशभर में 768 ऑफिस बना रही है। इनमें से 563 ऑफिस बनकर तैयार हैं, जबकि 96 पर काम चल रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले साल अगस्त में इसकी जानकारी दी थी।

जब यही सवाल हमने कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर अमरीश रंजन से की तो उन्होंने बताया- दिल्ली के अलावा, हर राज्य और जिले में पार्टी दफ्तर हैं। कुछ ब्लॉक ऑफिस भी हैं।

सेना दिवस परेड में पहली बार रोबोटिक डॉग्स

पुणे (एजेंसी)। भारतीय सेना ने बुधवार को महाराष्ट्र के पुणे में 77वां आर्मी डे मनाया। पुणे के बॉम्बे इंजीनियर्स ग्रुप और सेंटर परेड ग्राउंड में आर्मी डे परेड हुई। इसके साथ ही यह लगातार तीसरा साल है, जब सेना दिवस की परेड दिल्ली के बाहर हुई है। 2023 में आर्मी डे बेंगलुरु में, जबकि पिछले साल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मनाया गया था। परेड में अलग-अलग रेजिमेंटल सेंटर्स से 8 मार्चिंग कंटिंजेंट ने मार्च पास्ट किया। इनमें बेलगावी का मराठा रेजिमेंटल सेंटर, नासिक का आर्टिलरी सेंटर, सिकंदराबाद का आर्मी ऑर्डिनेंस

रेजिमेंटल सेंटर, अहिल्या नगर का मेकनाइज्ड इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर, वेलिंगटन का मद्रास रेजिमेंटल सेंटर, खड़की का एनसीसी सेंटर और आर्मी सर्विस कॉर्प्स हॉर्स कंटिजेंट का घुड़सवार दल शामिल था। पहली बार आर्मी डे परेड में दो विशेष कंटिंजेंट ने भाग लिया। इनमें कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस का महिला अग्निवीर कंटिंजेंट और महाराष्ट्र डायरेक्टोरेट का गर्ल्स बीईजी कंटिंजेंट शामिल हुआ। इसके साथ ही पहली बार 12 रोबोटिक डॉग्स ने भी परेड में भाग लिया।

आर्मी डे सेलिब्रेशन में 52 अवॉर्ड भी दिए गए। इसमें 15 सेना मेडल (वीरता) शामिल थे, जिनमें 8 मरणोपरांत प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न कमांड के यूनिट्स के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए 37 चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यूनिट प्रशंसा पुरस्कार दिए गए।

बिधूड़ी बोले- आतिशी सड़कों पर हिरनी जैसी घूम रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कालकाजी सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने एक बार फिर सीएम आतिशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आतिशी दिल्ली की सड़कों पर हिरनी के जैसे घूम रही हैं। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल शीशमहल में रहते हैं। 2 करोड़ की कार चलाते हैं। उन्होंने शीला दीक्षित को जेल नहीं भेजा, बल्कि सोनिया गांधी की गोद में बैठ 8 करोड़ हजम कर गए। इससे पहले 5 जनवरी को भी बिधूड़ी ने रोहिणी में हुई भाजपा की परिवर्तन रैली में कहा था कि आतिशी ने अपना बाप बदल लिया है।

पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की और दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर का आदेश पलट दिया। कोर्ट में पूजा की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा- हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी है, जिसके कारण अगर ट्रायल शुरू हुआ तो पूजा पर दोष सिद्ध हो सकते हैं। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस

सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने यूपीएससी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा की मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी को होगी। दरअसल, पूजा पर यूपीएससी एग्जाम में धोखाधड़ी और ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। यूपीएससी की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था।

पूजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 1 अगस्त को पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

इसके बाद पूजा दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचीं, जहां 23 दिसंबर को पूजा की जमानत याचिका खारिज हो गई थी।

17 राज्यों में घना कोहरा, दिल्ली में 26 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण उत्तर भारत और मध्य भारत के राज्यों में सर्दी का असर है। साथ ही देश के 17 राज्यों में घना कोहरा भी देखने को मिल रहा है। दिल्ली में विजिबिलिटी जीरो होने के कारण बुधवार सुबह 26 ट्रेनें लेट हुईं। वहीं, कई फ्लाइट्स भी अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकीं। मंगलवार को भी यहां 39 ट्रेनें

लेट हुई थीं। उत्तर प्रदेश के भी 45 जिलों में घना कोहरा देखने को मिला। अयोध्या में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। मौसम विभाग ने कहा कि यूपी और राजस्थान के कुछ जिलों में आज ओले गिर सकते हैं। उधर, हिमाचल में बर्फबारी के कारण 3 शहरों में तापमान माइनस पहुंच गया है। कल्पा में तापमान माइनस 1 डिग्री, केलांग में माइनस 10.3 डिग्री और कुकुमसेरी में तापमान माइनस 10.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

केजरीवाल पर शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय को आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना भी केजरीवाल पर केस चलाने की इजाजत दे चुके हैं। ईडी को यह मंजूरी इसलिए लेनी पड़ी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी कर्मचारियों पर मुकदमा चलाने के लिए ऐसा करना होगा। ईडी ने पिछले

साल पीएमएलए कोर्ट में केजरीवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें शराब नीति घोटाले में केजरीवाल को आरोपी बनाया था। ईडी को यह मंजूरी ऐसे समय मिली है, जब दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं। रिजल्ट 8 फरवरी को आएगा। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने 11 जनवरी को ईडी को शराब नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की इजाजत दे दी। श्रेष्ठ ने 5 दिसंबर को एलजी से केजरीवाल के खिलाफ ट्रायल चलाने की अनुमति मांगी थी। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा- देश के इतिहास में यह पहला ऐसा मामला होगा, जिसमें आपने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को जेल में डाला। दोनों को ट्रायल कोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत मिल गई... 2 साल बाद आपने मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। यह तब है, जब चुनाव नजदीक हैं। उनका वही पुराना तरीका है, झूठे मामले दर्ज करना, आम आदमी पार्टी के नेताओं को बदनाम करना, लेकिन अब जनता सब समझ चुकी है।

डल्लेवाल पर सुप्रीम कोर्ट एम्स का ओपिनियन लेगा

पटियाला (एजेंसी)। 51 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल के सेहत के बारे में सुप्रीम कोर्ट ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस यानी एम्स का ओपिनियन लेगा। बुधवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से डल्लेवाल की अब तक की मेडिकल जांच की सारी रिपोर्ट मांग ली हैं। इससे पहले सुनवाई के बीच पंजाब सरकार ने पहले डल्लेवाल की हालत में सुधार की बात कही लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में पूछा तो कहा कि उनकी हालत स्थिर है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बैंच के सामने पंजाब सरकार की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि डल्लेवाल को लेकर प्रोग्रेस हो रही है। हमारी टीम उनसे सिर्फ 10 मीटर की दूरी पर है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि आप कह रहे हैं कि उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। डॉक्टर वहां पर हैं। इस पर कपिल सिब्बल ने जवाब दिया कि डल्लेवाल ने हमें ब्लड टेस्ट करने की इजाजत दे दी है।

सूरत सिंह खालसा का अमेरिका में निधन, सिख कैदियों की रिहाई के लिए भूख हड़ताल की

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के पास हसनपुर गांव के निवासी सूरत सिंह खालसा (92) का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में निधन हो गया। सूरत सिंह खालसा ने जेल में बंद सिखों की रिहाई के लिए 2015 में भूख हड़ताल की थी। वे 7 साल तक डीएमसीएच अस्पताल में भी भर्ती रहे।

16 जनवरी 2015 को सूरत सिंह खालसा ने भूख हड़ताल शुरू की जो करीब 8 साल तक चली। उन्होंने अदालती सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर खाना खाने और पानी पीने से इनकार कर दिया। जहां वे सिख कैदियों की रिहाई की मांग

कर रहे थे, वहीं उन्होंने सभी धर्मों के उन कैदियों की भी बिना शर्त रिहाई की मांग की जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। 11 फरवरी 2015 को सूरत सिंह खालसा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखा जिसमें उन्होंने अपनी भूख हड़ताल का उद्देश्य बताया। अपने पत्र में सूरत सिंह खालसा ने दो बिंदुओं में अपनी मांगें बताईं। उन्होंने लिखा कि सभी सिख कैदियों - विचाराधीन कैदियों और सिख संघर्ष से संबंधित मामलों में दोषी ठहराए गए लोगों - को राजनीतिक कैदियों के रूप में माना जाना चाहिए और सभी कैदियों जिन्होंने अपनी पूरी सजा पूरी कर ली है और जिनकी रिहाई वैध है, उन्हें रिहा किया जाना चाहिए, जैसे देश के विभिन्न हिस्सों में अन्य कैदियों को रिहा किया जाता है। सूरत सिंह खालसा के गांव हसनपुर के लोग उनकी तस्वीर को हाथ में लेकर उन्हें याद करते हुए। ूरत सिंह खालसा के गांव हसनपुर के लोग उनकी तस्वीर को हाथ में लेकर उन्हें याद करते हुए।

सूरत सिंह खालसा कौन हैं?: सूरत सिंह खालसा का जन्म 7 मार्च 1933 को हुआ था। वे एक नागरिक अधिकार कार्यकर्ता हैं जिन्हें बापू सूरत सिंह खालसा के नाम से जाना जाता है। वे लुधियाना के हसनपुर गांव से हैं। उनके पांच बेटे और एक बेटी सभी अमेरिकी नागरिक हैं।

गुजरात में एचएमपीवी वायरस का एक और मामला

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) वायरस का एक और मामला सामने आया है। शहर के कृष्णानगर इलाके में रहने वाले एक चार साल के बच्चे की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। बच्चे को थलतेज के जायडस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे को तेज बुखार और सर्दी होने पर 13 जनवरी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बच्चे की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली। इस तरह राज्य में अब तक एचएमपीवी के कुल 6 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें अहमदाबाद से चार, साबरकांठा जिले से एक और कच्छ जिले से एक मरीज शामिल है। अहमदाबाद शहर में 6 जनवरी से 13 जनवरी तक एचएमपीवी वायरस के पांच मामले पॉजिटिव आए हैं। पांच में से तीन बच्चे हैं, जबकि दो मरीज बुजुर्ग हैं। तीनों बाल रोगियों को सर्दी,

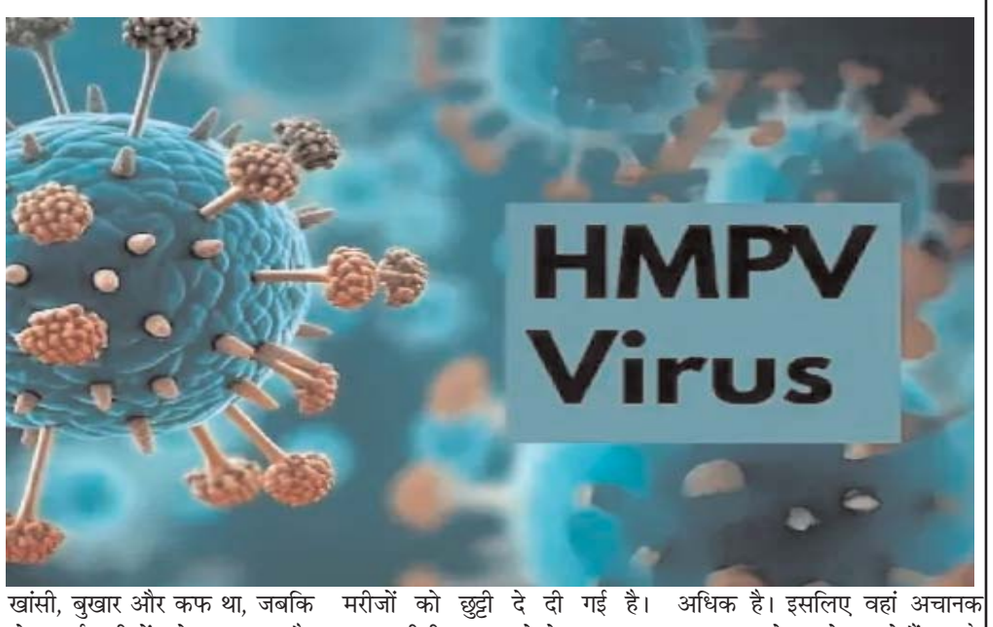

खांसी, बुखार और कफ था, जबकि दो बुजुर्ग मरीजों को अस्थमा और सूखी खांसी के साथ-साथ सर्दी भी थी। किसी भी मरीज की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं पाई गई है। पांच में से दो मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। एचएमपीवी वायरस को लेकर गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि यह वायरस साल 2001 का पुराना वायरस है। चीन में इसका प्रसार अधिक है। इसलिए वहां अचानक ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इसके लक्षण कोविड की तुलना में हल्के हैं। हम अस्पताल में ही इस वायरस की जांच की व्यवस्था कर रहे हैं।

रोहित शर्मा जमकर कर रहे मेहनत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा है। जून में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय कप्तान की हर कोई तारीफ कर रहा था लेकिन कुछ ही महीने के अंदर चीजें पूरी तरह से बदल गई। टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके रोहित पर टेस्ट से भी रिटायरमेंट लेने का दबाव बनने लगा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर रोहित ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

रोहित की फिटनेस को लेकर भी काफई सवाल उठ रहे हैं और इस वजह से भारतीय कप्तान अपनी फिटनेस पर जमकर काम कर रहे हैं। इंग्लैंड और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए रोहित खुद को फिट रखना चाहते हैं। इस बीच मुंबई के बीकेसी कॉम्प्लेक्स में दौड़ते रोहित शर्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिंद्धू ने भी रोहित को फिटनेस पर काम करने के लिए कहा था।

खराब दौर से जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण से पहले मंगलवार को मुंबई टीम के साथ अभ्यास किया लेकिन अभी ये स्पष्ट नहीं है कि वह आगामी मैच में खेलेंगे या नहीं। 37 वर्षीय रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बेहद खराब फॉर्म में थे।

राजकोट में स्मृति मंधाना ने किया चमत्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मृति मंधाना ने राजकोट में भारत और आयरलैंड की महिला टीमों के बीच खेले जा रहे तीसरे वनडे में कमाल करते हुए बेहतरीन शतक लगाया। टीम इंडिया कप्तान मंधाना ने 70 गेंदों में शतक पूरा किया, जिसके साथ ही उन्होंने विराट कोहली की बराबरी कर ली। बतौर ओपनर उतरी मंधाना ने बेहतरीन पारी खेलते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 70 गेंदों में शतक पूरा करने के साथ ही मंधाना महिला वनडे में भारत के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गईं। वहीं दूसरी तरफ विराट कोहली के नाम पर भी पुरुष वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। कोहली ने अक्टूबर, 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। कहोली ने 52 गेंदों में 8 चौके और 7 छक्कों की मदद से सेंचुरी जड़ी थी। बता दें कि, भारत के लिए बतौर ओपनर मंधाना ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 80 गेंदों में 12 चौके और 7 छक्कों की मदद से 135 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 168.75 का रहा। मंधाना ने और प्रतिका रावल ने पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की। मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बीसीसीआई पदाधिकारी ने गौतम गंभीर के पीए पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर का समय ठीक नहीं चल रहा है। उनके कोच बनने के बाद टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पहले श्रीलंका, न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार को लेकर उन पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि गौतम गंभीर का मैनेजर ऐसी जगहों पर मौजूद रहता था जहां उनका जाना निषेध था। बीसीसीआई के अधिकारी ने पीटीआई से कहा कि, गौतम गंभीर का पीए नेशनल सेलेक्टर्स के साथ क्यों बैठता था? कोच और सेलेक्टर अकेले में बात नहीं कर सकते थे। वह एडिलेड में बीसीसीआई के हॉस्पिटेलिटी बॉक्स में क्या कर रहे थे। वह फाइव स्टार फैसिलिटी में उस जगह नाश्ता क्यों कर रहे थे जहां केवल टीम के सदस्य ही रह सकते थे। बीसीसीआई के पदाधिकारी ने ये भी बताया, निजी मैनेजर के टीम बस में यात्रा करने से भ्रष्टाचार निरोधी इकाई के सदस्यों के कान भी खड़े हो जाते हैं। इस पर भविष्य में लगाम कसी जाएगी। जहां तक विदेशी दौरों में पत्नियों की उपस्थिति की बात है तो बैठक में इस पर चर्चा की गई और इस बारे में जल्द ही फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, इसके अलावा सभी खिलाड़ियों और कोच को टीम बस से ही याक्षा करनी चाहिए।

भारतीय महिला टीम ने 435 रन बनाकर रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम और आयरलैंड के बीच राजकोट में तीसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जहां भारत ने 435 रन बनाकर नया कीर्तिमान रच दिया। भारत ने निर्धारित50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर इतने रन बटोरे। ये भारत का महिला और पुरुष क्रिकेट में सर्वोच्च वनडे सर्वोच्च वनडे स्कोर है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार 400 का आंकड़ा पार किया है। टीम इंडिया का इससे पहले हाईएस्ट स्कोर 370 था जो हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में था। वहीं भारत का ओवरऑल पिछला रिकॉर्ड 418/5 का था, जो पुरुष टीम ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था।

वहीं आयरलैंड के खिलाफ आखिरी मैच में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने धांसू पारी खेलीष उन्होंने 154 रनों की पारी खेलकर गदर मचा दिया। उन्होंने 129 गेंदों का सामना करने के बाद 20 चौके और 1 छक्का मारा। उन्होंने महिला वनडे में भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी पारी खेली। उनसे आगे दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर हैं। दीप्ति ने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 188 रन बनाए जबकि हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन की पारी खेली थी। हरमनप्रीत आयरलैंड सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारत के लिए प्रतिका और मंधाना ने दमदार शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट केल लिए 233 रन की पार्टनरशिप खेली। ये महिला वनडे में भारत की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। मंधाना ने भी शतक ठोका। उन्होंने 80 गेंदों में 12 चौकों और 7 छक्कों के दम पर 135 रन बनाए। वह 27वें ओवर में ओर्ला प्रेंडरगैस्ट का शिकार बनीं। प्रतिका की पारी का अंत फ्रेया सार्जेंट ने 44वें ओवर में किया।

पंत ने दिल्ली के अगले रणजी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया-डीडीसीए सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) सचिव अशोक शर्मा ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 23 जनवरी से राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ शुरू होने वाली दिल्ली के आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। पंत ने पिछली बार 2017-2018 सत्र में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। दिग्गज विराट कोहली की भागीदारी पर हालांकि कोई स्पष्टता नहीं है। कोहली ने अपना पिछला रणजी मैच 2012 में खेला था। भारत के दोनों खिलाड़ियों को शेष सत्र के लिए दिल्ली के संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है।

अशोक शर्मा ने पीटीआई को बताया, ''हां, पंत ने अगले रणजी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है और सीधे राजकोट में टीम से जुड़ेंगे। हम चाहते है कि विराट कोहली भी खेलें, लेकिन हमें उनकी प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हर्षित राणा को भारतीय टी20 टीम में चुना गया है, इसलिए वह उपलब्ध नहीं होंगे।'' भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री उन कई पूर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो चाहते हैं कि मौजूदा पीढ़ी खासकर संघर्ष कर रहे रोहित शर्मा और कोहली लाल गेंद प्रारूप में घरेलू क्रिकेट खेलें।

शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल के भी अपने-अपने राज्य की टीमों के लिए खेलने की उम्मीद है। रोहित ने मंगलवार को मुंबई टीम के साथ अभ्यास कर के काफी दिलचस्पी जगाई, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैचों के अगले दौर के लिए खुद को उपलब्ध रखेंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों को संभावितों की सूची में शामिल करना सामान्य बात है लेकिन अंतिम टीम में शामिल होना उनकी उपलब्धता पर निर्भर है।

रोहित ने खराब फॉर्म के कारण ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से खुद को विश्राम दिया था। जबकि कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नौ पारियों में आठ बार विकेट के पीछे (स्लिप या विकेटकीपर) कैच आउट हुए थे। कोहली और पंत के अलावा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गये हर्षित राणा भी 38 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है। दिल्ली को रणजी लीग चरण में दो मैच खेलने हैं। टीम 23 जनवरी को राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलेगी। दिल्ली की टीम ग्रुप डी में पांच मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है।

10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने का कारण आर अश्विन ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ऑस्ट्रेलिया के लिए गेम चेंजर साबित हुए। अश्विन का मानना है कि बोलैंड टीम में ना होते तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज गंवा देती। उन्होंने कहा कि उनकी राउंड द विकेट गेंदबाजी ने भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ काफी बड़ी भूमिका निभाई। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बीच सीरीज के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट सें सन्यास ले लिया था।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, सभी कहते हैं कि पैट कमिंस ने सीरीज में बहुत अच्छा काम किया। लेकिन बाएं हाथ के खिलाफ वह संघर्ष करते दिखे। ऑस्ट्रेलिय भाग्यशाली रहा कि स्कॉट बोलैंड टीम में आ गए। अगर बोलैंड नहीं खेलते तो भारत सीरीज जीत जाता। जोस हेजलवुड भी बेहतरीन गेंदबाज हैं लेकिन अगर वे पुराने गेंदबाजी यूनिट के साथ खेलते तो हम जीत गए होते। बोलैंड की हमारे बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए राउंड-द विकेट गेंदें एक प्रमुख फैक्टर थी।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने सिर्फ तीन ही मैच खेले थे लेकिन पूरी सीरीज के दौरान वह भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करते नजर आए। उन्होंने सीरीज में भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को चार बार आउट किया था। उन्होंने तीन मैचों में कुल 21 विकेट झटके। उन्होंने आखिरी टेस्ट में 10 विकेट भी झटके। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज रहे।

इस दिन होगी चैंपियंस ट्रॉफ 2025 की ओपनिंग सेरेमनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने जा रहा है। जिसकी मेजबानी पाकिस्तान करेगा। वहीं टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। साथ ही कहा जा रहा है कि, 16 या 17 फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी की ओपनिंग सेरेमनी होगी। जिसके लिए भारत के कप्तान रोहित शर्मा को पाकिस्तान जाना पड़ सकता है। इसकी वजह चैंपियंस ट्रॉफी का कैप्टन डे है। दरअसल, आईसीसी इवेंट से पहले सभी टीमों के कप्तान एक जगह इकट्ठा होते हैं और ग्रुप फोटो सेशन होता है।

सभी कैप्टन का फोटोशूट कहां होगा? अभी तक कुछ कंफर्म नहीं है। लेकिन अगर फोटोशूट पाकिस्तान में होता है तो क्या बीसीसीआई रोहित को वहां भेजने के लिए तैयार होगा? ये सवाल इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। कैप्टन डे को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। एएनआई के मुताबिक, बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा है कि, कैप्टन डे के लिए रोहित शर्मा के पाकिस्तान जाने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। पहले भारतीय टीम की घोषणा होगी और फिर हम कोई फैसला लेंगे। टूर्नामें में आठ टीम हिस्सा ले रही हैं जहां भारत और पाकिस्तान को छोड़कर सभी टीमों ने अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

राजनीतिक तनाव के चलते भारत और पाकिस्तान ने लंबे मय से द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली है। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से भारत में द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली। दोनों टीमों की अब सिर्फ आईसीसी और एसीसी इवेंट में भिड़ंत होती है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को करेगा।

ठीक से नहीं चल पाए कांबली फिर भी छुए सुनील गावस्कर के पैर

मुबई (एजेंसी)। मुंबई के तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स हाल ही में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगाठ समारोह में पहुंचे थे, जिसे मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की ओर् से आयोजित किया गया था। इस समारोह में टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली भी पहुंचे थे। तमाम बीमारियों से जूझने वाले कांबली को हाल ही में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया था।

अस्तपाल से डिस्चार्ज होने वाले कांबली वानखेड़े स्टेडियम समारोह के जरिए पहली बार पब्लिक में दिखाई दिए। इस दौरान कांबली ने टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर के पैर छुए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हाल ही में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने वाले कांबली ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन फिर भी उन्होंने गावस्कर के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

वहीं कांबली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होता है। इस वीडियो में कांबली पहले पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर से मिलते हैं फिर वह पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर से मुलाकात करते हैं। इसके बाद चलकर सुनील गावस्कर के पास जाते हैं। इस दौरान साफ तौर पर देखा जाता है कि कांबली को चलने में काफी दिक्कत होती है।

कांबली को असहज होकर चलता देख दो लोगों ने उनका हाथ पकड़ा और उन्हें सुनील गावस्कर के पास ले गए। पहले कांबली ने दिग्गज गावस्कर से हाथ मिलाया और फिर पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद कांबली को समारोह में सम्मानित भी किया गया। फिर इसके बाद दो लोग कांबली को पकड़कर ले गए और वापस बैठा दिया।

वहीं इस दौरान कांबली युवा क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से भी मिले। बता दें कि, इस समय शॉ अपने करियर के कठिन दौर से गुजर रहे हैं। शॉ, जिन्हें भारतीय क्रिकेट में एक होनहार प्रतिभा के रूप में देखा जाता था ने पिछले साल कठिन दौर का सामना किया। दिसंबर 2024 में विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर होने के बाद, 25 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भी अनुबंध हासिल करने में विफल रहे।

सीएम हेल्पलाइन की कोई शिकायत नहीं रहे नाट-अटेण्ड : कलेक्टर मैहर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने सीएम हेल्पलाइन की किसी भी शिकायत के अगले स्तर पर नाट-अटेण्ड नहीं जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को व्यक्तिगत रूप से देखे और संतुष्टिपूर्वक निराकरण करायें। किसी भी शिकायत के नाट-अटेण्ड रहने पर अब विभाग प्रमुख अधिकारी की जिम्मेदारी भी निर्धारित की जायेगी। बुधवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन सहित शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। इस अवसर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डीपीओ सौरभ सिंह, कार्यपालन यंत्री आरईएस अश्विनी जायसवाल, पीएचई शरद सिंह, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, आरटीओ संजय श्रीवास्तव सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों के अधिकारियों को आयोजन संबंधी जिम्मेदारी दी गई है। वे समय पर अपनी तैयारियां पूर्ण कर लें। गणतंत्र दिवस के समारोह का आयोजन गरिमामय तरीके से सुव्यवस्थित रूप से संपन्न करायें। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के शिविरों में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने विभाग की शिकायतें प्राप्त कर उनका समय पर निराकरण करें और निराकरण की कार्यवाही पोर्टल पर दर्ज भी करायें। मैहर जिले में जिन विभागों के कार्यालय भवन अथवा विभागीय विकास कार्यों के लिए शासकीय भूमि की आवश्यकता हो वे विधिवत रूप से भूमि का चयन कर आवेदन प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले में पशुपालन, सहकारिता, कृषि, योजना आर्थिक सांख्यिकी, वित्त, ऊर्जा, पिछडा वर्ग, महिला बाल विकास, आपदा प्रबंधन सहित 9 विभाग ए-श्रेणी में हैं। सभी विभाग अगली ग्रेडिंग में ए-श्रेणी में आने का प्रयास करें। इसी प्रकार ए श्रेणी के विभाग निराकरण की निरंतरता जारी रखे ताकि वह ए ग्रेड में बने रहे। उन्होंने बी और सी ग्रेड में आये विभागों को प्रयास कर अगली बार ए श्रेणी में आने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों में पिछडा वर्ग की 6, महिला बाल विकास 39, गृह विभाग 319, जल संसाधन 16, सामाजिक न्याय की 53 और पंचायत एवं ग्रामीण विकास की 478 शिकायतों का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश भी दिये गये। सीएम हेल्पलाइन में एल वन अधिकारी नागेन्द्र प्रताप तिवारी की 5 शिकायतें नाट-अटेण्ड पाये जाने पर कलेक्टर ने संबंधित का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिये।

उमरी विपणन केंद्र में दुर्गंध से ग्रामीण परेशान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के बैकुंठपुर से करीब 4 किलोमीटर दूर ग्राम उमरी विपणन केंद्र कैंप में खुले में पड़ी धान से आ रही भयंकर दुर्गंध से ग्रामीणों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। यहां नागरिक आपूर्ति निगम की लापरवाही से सड़न ले रही धान का उठाव नहीं हो पा रहा है। जिससे अब आसपास के रहवासी परेशान हो रहे हैं। राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित सिरमौर के उमरी केंद्र अंतर्गत दर्जनों गांव, ग्राम उमरी, भेड़रहा, गहनौउआ, बैकुंठपुर, बरओं, बदरांव, तिव रियान के सैकड़ों किसान कार्यालय काउंटर पर पहुंच गए और टोकन के हिसाब से यूरिया डीएपी खाद लेने के उपरांत अजीब सी दुर्गंध से परेशान हो गए। बतादें कि रविवार को हल्की बरसात के बाद 3 साल से खराब पड़ी धान की बदबू यहां और बढ़ गई है। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कतार पर लगे किसानों को सांस लेने में भी बड़ी मुश्किलें हो रही थी। वहीं जिम्मेदारों की लापरवाही इस कदर है कि दुर्गंध के बाद भी उठाव नहीं हो रहा है। हज़ारों बोरी सरकारी धान यहां डंप है जिस पर प्रशासन को लाखों का नुकसान हुआ है।

ठंड से महिला किसान की मौत

खेत में सिंचाई के दौरान बिगड़ी तबीयत, अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के खरसेड़ा गांव में मंगलवार शाम एक दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। खेत में सिंचाई करते समय अत्यधिक ठंड के कारण एक महिला किसान की मौत हो गई। मृतका की पहचान कैलसिया (पति नत्थू राम) के रूप में हुई है।

घटना मंगलवार की देर शाम की है, जब कैलसिया अपने खेत में पानी लगाने गई थीं। काम के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।

परिवार के सदस्यों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे तुरंत उन्हें पहाड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। लेकिन इलाज के दौरान ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। बुधवार दोपहर 2:30 बजे जिला मुख्यालय में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों के अनुसार, कैलसिया एक मेहनती किसान थीं।

ठंड से बचाव की अपील: इस घटना ने गांव में शोक की लहर फैला दी है। स्थानीय प्रशासन ने इस दुखद घटना के बाद ग्रामीणों से अपील की है कि वे ठंड के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। किसानों को सलाह दी गई है कि वे ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त कपड़े पहनें और सुबह-शाम के समय खेतों में काम करते वक्त विशेष सतर्कता बरतें।

सीवर लाइन के खुले गड्ढे में गिरी गाय, मौत

ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप, बजरंग दल ने किया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना में पन्ना रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने सीवर लाइन के खुले गड्ढे में एक गाय की गिरने से मौत हो गई। घटना मंगलवार की है। राहगीरों को आज गड्ढे में मृत गाय दिखाई दी। जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं घटनास्थल पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिए। ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गौ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग करने लगे। मामले की सूचना पर थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी भी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद मामला शांत हुआ।

दरअसल, इन दिनों ने शहर में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सीवर लाइन का काम चल रहा है। सीवर लाइन के खुले गड्ढे में भरे में पानी अचानक एक गाय गिर गई। इससे गाय में की मौत हो गई। घटना कल यानी मंगलवार की है। लेकिन, आज राहगीरों ने गाय को सीवर लाइन के गड्ढे में मरा हुआ देखा। घटना की जानकारी के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध में धरना प्रदर्शन किया। हालांकि, प्रदर्शन की सूचना पर सिटी कोतवाली के थाना प्रभारी रावेंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

दंपति के साथ मेले में उपद्रवियों ने की मारपीट और अभद्रता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में मकर संक्रांति के मेले में उपद्रवियों ने दंपति को शिकार बना लिया। पति के साथ आरोपियों ने जमकर मारपीट की बीच बचाव करने आई पत्नी के साथ भी आरोपियों ने अभद्रता की। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर तत्काल विवाद को शांत कराया। घटना जिले के जानेह थाने के तुरका दोंदर गांव की बताई जा रही है। यहां पर मकर संक्रांति के अवसर पर एक दिन पूर्व मेला लगा हुआ था। मेले में शामिल होने के लिए दंपति आए थे जहां पर पति का कुछ उपद्रवियों से विवाद हो गया इस बात को लेकर आधा दर्जन लोगों ने पति के साथ जमकर मारपीट की। पति को पिटता देख पत्नी बीच बचाव करने आई तो आरोपियों ने उसके साथ भी धक्का-मुक्की की। घटना से काफी देर तक मेला परिसर में हंगामा मचा रहा। बाद में स्थानीय लोगों ने बीच बचाव कर विवाद को शांत कराया। घटना की शिकायत अभी तक थाने में दर्ज नहीं करवाई गई है। हालांकि मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण कार्यक्रम 18 जनवरी को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा स्वामित्व योजना का केन्द्र स्तरीय कार्यक्रम 18 जनवरी को दोपहर 12.30 बजे से आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से स्वामित्व योजना के चयनित लाभर्थियों से संवाद करने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पट्टों का वितरण करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम टाउन हाल में आयोजित किया जाएगा। योजना के तहत जिले में पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेखों का वितरण सांसद, विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा सहायक नोडल अधिकारी प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेखक श्रेयस गोखले को बनाया गया है। कलेक्टर ने जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम स्तर में आयोजित होने वाले स्वामित्व योजना के कार्यक्रम के संबंध में सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

सतना बनेगा एमपी का सातवां एयरपोर्ट

फरवरी से होगा ऑपरेशनल, सीमेंट इंडस्ट्री और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश को 1 साल के अंदर एक और एयरपोर्ट मिलेगा। 3 महीने पहले रीवा एयरपोर्ट की शुरुआत के बाद अब सतना एयरपोर्ट भी बनकर तैयार है। एयरपोर्ट 30 करोड़ रुपए की लागत से बना है। एयरपोर्ट से उड़ान संचालन की शुरुआत पीएम श्री वायु सेवा से होगी।

एयरपोर्ट का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू करेंगे। उनसे समय मांगा गया है। तारीख मिलते ही प्रदेश के सातवें एयरपोर्ट सतना से भी फ्लाइट टेक ऑफ और लैंड हो सकेगी। उम्मीद है कि फरवरी से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी। यहां से 19 सीटर कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भर सकेगी।

एक साल में बनकर तैयार हुआ: सतना एयरपोर्ट करीब एक साल में बनकर तैयार हुआ है। पिछले महीने डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद डीजीसीए ने लाइसेंस भी दे दिया। अब संचालन शुरू होगा।

सतना से एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी: क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। नई पहल से टूरिस्ट सतना और इसके आसपास के प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके लिए यहां सबसे पहले पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत होगी।

यहां से सप्ताह में दो दिन के लिए वायु सेवा का शेड्यूल जारी कर दिया गया था। एयरपोर्ट का उद्घाटन नहीं होने की वजह से बुधवार एवं रविवार को सतना की जगह रीवा-सिंगरौली से वायु सेवा संचालित की जा रही है।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को लाइमस्टोन सतत खनन पुरस्कार से नवाजा गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सुरक्षित एवं सस्टेनेबल खनन तकनीक पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन 08-09 जनवरी 2025 को इंडियन माइनिंग एंड इंजीनियरिंग जर्नल के तत्वावधान में भुवनेश्वर में किया गया। कार्यक्र म के मुख्य अतिथि श्री विभूति भूषण जेना, केंद्रीय वाणिज्य, परिवहन, इस्पात और खान मंत्री रहे। 1961 से मासिक रूप से प्रकाशित होने वाला इंडियन माइनिंग एंड इंजीनियरिंग जर्नल का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसके नॉलेज पार्टनर उत्कल यूनिवर्सिटी-भुवनेश्वर और एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना, एमपी थे।

इस कार्यक्रम में प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) से वरिष्ट महा प्रवन्धक (माइंस) चंद्र शेखर पंडित ने भाग लिया।

श्री चंद्र शेखर पंडित ने प्रिज्म सीमेंट के द्वारा लाइम स्टोन माइंस में किये जा रहे सतत एवं सुरक्षित माइनिंग के सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के बारे में एक प्रस्तुति की। जिसको वहां उपस्थित सम्मानित लोगो ने बहुत सराहा एवं इस प्रस्तुति के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक, आईआईटी-पटना, प्रो. टी. एन. सिंह, प्रधान संपादक एवं खनन विभाग - एनआईटी राउरकेला के प्रोफेसर एस. जयन्थु द्वारा चंद्र शेखर पंडित को लाइमस्टोन सतत खनन पुरस्कार से नवाजा गया।

खान विभाग, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) द्वारा सतत एवं सुरक्षित खनन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिले सम्मान पर कंपनी के प्रबन्ध निदेशक विजय अग्रवाल, सीईओ राकेश जैन, प्रेसीडेंट एवं प्लांट हेड मनीष कुमार सिंह एवं मनीष कुमार सिन्हा सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एचआरएम एंड कॉरपोरेट अफेयर्स वा कर्मचारी अधिकारियों ने प्रसन्ता व्यक्त की। उपरोक्त आशय की जानकारी ए जी एम सी एस आर एवम जनसंपर्क देवेंद्र मिश्रा ने दी।

युवा संगम रोजगार मेले में 47 आवेदकों का चयन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि बुधवार को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सतना में युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इनमें ऑफ्लाइन एवं आनलाइन 217 पंजीकृत बेरोजगार आवेदक शामिल हुए।

मेले में टाटा मोटर्स, मदरशन सूमि, एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस, पेटीएम, प्रगतिशील बायोटेक, कूलोस्कर सतना एल एण्ड टी फाइनेंस कंपनी द्वारा 47 आवेदकों का योग्यता के अनुसार चयन किया गया। युवा संगम रोजगार मेले के आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय के प्राचार्य/रोजगार अधिकारी बीडी तिवारी एवं संस्था के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

समिति प्रबंधकों व कम्प्यूटर आपरेटरर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने धान उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने वाले समिति प्रबंधकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया हैं। इसके साथ ही उपार्जन पोर्टल में सही मात्रा में इन्ट्री न करने पर कम्प्यूटर आपरेटर्स को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। समिति प्रबंधक/केन्द्र प्रभारी सेवा सहकारी समिति सोहागी क्रमांक एक, जवा क्रमांक एक एवं दो, मझगवां क्रमांक एक, भमरा क्रमांक एक, बांस क्रमांक दो के समिति प्रबंधकों को धान का स्टाक कम होने, बारदानों की उपलब्धता न होने तथा धान की बोरियों में स्टेंसिल, छापा न लगे होने व किसान कोड अंकित न होने जैसी लापरवाहियाँ बरतने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इसी प्रकार कम्प्यूटर आपरेटर सेवा सकहारी समिति बांस क्रमांक दो सुनीता पटेल एवं समिति मझगवां क्रमांक एक के कम्प्यूटर आपरेटर दीपक कुमार तिवारी को भी कलेक्टर द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान कलेक्टर प्रतिभा पाल एवं अपर आयुक्त नीतू माथूर भी उपस्थित रहे। बैठक में जल जीवन मिशन अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई जाने वाली टंकियों के निर्माण हेतु भूमि उपलब्धता की अनुमति प्रदान की गई। कमिश्नर ने कहा कि शासकीय अधोसंरचना निर्माण के लिये निजी भूमि से रास्ते के लिये भूमि हेतु सहमति करायें। इस दौरान संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर मेले का आयोजन

तीर्थों के जल से बना पवित्र कुंड, गन्ने का खास महत्व, लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के भरतकूप में मकर संक्रांति के दूसरे दिन से शुरू होने वाला तीन दिवसीय मेला अपनी पौराणिक महत्ता के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब राजा दशरथ भगवान राम को वापस अयोध्या ले जाने आए थे, तब सभी तीर्थों का जल इसी कुंड में एकत्रित किया गया था, जो इस स्थान को विशेष पवित्रता प्रदान करता है।

प्रति वर्ष इस मेले में लाखों श्रद्धालु भरत मंदिर के दर्शन करने आते हैं। परंपरागत रूप से, दर्शन के पश्चात गन्ना लेकर घर जाना शुभ माना जाता है। मकर संक्रांति के दूसरे दिन सबसे अधिक भीड़ देखी जाती है, जिसमें महिला श्रद्धालुओं की संख्या उल्लेखनीय होती है।

एसपी अरुण कुमार सिंह ने मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में आवागमन हेतु दो अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए जाएंगे। मंदिर परिसर में दुकानों की व्यवस्था, स्वच्छता, जलनिकासी और अतिक्रमण हटाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पुलिस को श्रद्धालुओं के साथ सौम्य व्यवहार और 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। रामघाट, परिक्रमा मार्ग और भरतकूप मंदिर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। रात्रि गश्त और बैरियर पर निरंतर जांच के साथ-साथ किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।